फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 15 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 15 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

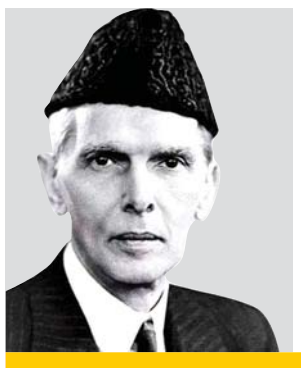

Jinnah betrayed Balochistan

Balochistan, once free, though only for 227 days. The short-lived freedom was a result of their leader's short-sightedness, the cunning of the British and the betrayal by Muhammad Ali Jinnah

Silly Rabbit Cafe

There are many who escape to Silly Rabbit Cafe, cafe cum bar lounge with heads bent over laptops and freshly brewed coffee

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FARMER
NO MIDDLE-MEN
KEDIA™ Pavitra
NO MIDDLE-MEN
• RETAILER
• CUSTOMER

FIXED PRICE

BESAN	DESHI CHAKKI AATA	SHARBATI WHEAT	DESHI WHEAT	SHARBATI SUPERIOR AATA	WHEAT DALIA	SEMOLINA (SUJI)
500 g ₹ 70	5 kg ₹ 250	10 kg ₹ 650	10 kg ₹ 450	5 kg ₹ 350	500 g ₹ 40	500 g ₹ 40

SCAN TO ORDER

CALL TO ORDER

1800-120-2727

विचार बिन्दु

कृत्रिम सुख की बजाये, हमेशा ठोस उपलब्धियों के पीछे समर्पित रहिये। -अब्दुल कलाम

देश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने संविधान की अवज्ञा की है

भारतीय संविधान दिनांक 26 जनवरी, 1950 से पूर्ण रूप से लागू किया गया। भारतीय संविधान को दुनियां के देशों के संविधानों से प्रेरणा व ज्ञान लेकर बनाया गया है; किन्तु उसकी आत्मा पूर्णत: भारतीय संस्कृति व दर्शन की है। भारतीय संविधान को, यदि आप समझना अथवा जानना चाहते हैं उसके प्रियम्बल (उद्देशिका) का विवेक के साथ अध्ययन करें। भारत के संविधान में नागरिकों को मूल अधिकार दिये हैं, जिन्हें राजनीतिक अधिकार कहा जाता है। नागरिकों को समानता का अधिाकर दिया है, जो जाति, धर्म, सेक्स भेद, रंगभेद से मुक्त होगा। गरिमा से जीने का अधिकार दिया है। सभी व्यक्तियों को अन्त:करण की स्वतंत्रता का और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने तथा प्रचार करने का समान अधिकार दिया है। धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रूचि की शिक्षा संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का अधिकाार दिया गया। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम में अल्पसंख्यक की परिभाषा यह कहकर की गई है कि अल्पसंख्यक वे कहे जावेंगे जिन्हें केन्द्र सरकार विज्ञप्ति जारी कर मानेगी। यह परिभाषा विवेक शून्य तो है कि किन्तु संविधान की अवज्ञा का प्रतीक है। समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासपना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठाा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये तथा राष्ट्र की एकता और अखण्ड़ता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने लिये संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया है। भारत के लोगों ने भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न गणतंत्र बनाने का संकल्प लेकर भारत को संविधान अर्पित किया था। संविधान में 1976 में संशोधन कर उद्देशिका में 'प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' के स्थान पर 'सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य' को प्रतिस्थापित किया था। यह नीति निदेशक तत्वों की अवज्ञा का परिणाम था। अनुच्छेद 6 से 10 में यह स्पष्ट किया है कि भारत का नागरिक कौन है, और उसे कैसे ग्रहण किया जा सकता है। संविधान में मूल अधिकारों का प्रयोग केवल नागरिक ही कर सकता है और केवल नागरिक ही मतदान कर सकता है। संविधान के तहत् रिट याचिका दायर कर ही अपने मूल अधिकार व संवैधानिक अधिकार का संरक्षण प्राप्त कर सकता है। इस निर्देश को न मानना संविधान की अवज्ञा है।

संविधान के अनुच्छेद 45 में जो राज्य की नीति के निदेशक तत्व है और जैसा यह अनुच्छेद 1950 के संविधान में स्थापित किया गया था उसके अनुसार राज्य को संविधान लागू होने के 10 वर्ष की अवधि में 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बालकों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करना था। यह प्रावधान यद्यपि चेप्टर 3 में है; किन्तु यह अनुच्छेद 37 का अपवाद है। यह प्रावधान ैनदैमज र्ूे का है जो समय की सीमा में पूरा होता है, जैसे सूर्य का अस्त होना निश्चित है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 21 के तहत् शिक्षा के अधिकार को मूल अधिकार माना है। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस में सुप्रीम कोर्ट की वृहद पीठ ने स्पष्ट किया है कि राज्य की आर्थिक स्थिति के अनुरूप शिक्षा का मूल अधिकार उच्च शिक्षा तक भी प्राप्त है, चाहे वह मेडिकल की हो अथवा इंजीनियरिंग। आजादी के बाद आज हम विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ चुके है।

संविधान में समय-2 पर संशोधन होते रहे हैं। शिक्षा के संबंध में अनुच्छेद 21 व अनुच्छेद 45 का उपयोग होता रहा है। यह स्थिति दिनांक 1 अप्रैल 2010 से पूर्व तक की रही है इसका उल्लेख ऊपर किया गया है। शिक्षा की पोलिसी को लेकर अनुच्छेद 21ए संविधान में नया अनुच्छेद perce yJeospeHepevepeHeJeo ;cHenerpeue.wHeie ~ GceokeâGceopeæ ।बज 2002 से जोड़ा गया और इसे दिनांक 01.04.2010 से लागू किया गया। इस अनुच्छेद 21ए के द्वारा छ: से चौदह वर्ष की आयु के सभी बालकों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिये उपबन्ध किया है। इसी प्रकार अनुच्छेद 45 में संविधान (46वां संशोधन) अधिनियम, 2002 की धारा 3 द्वारा इसे दिनांक 01.04.2010 से प्रतिस्थापित (लागू) किया। संशोधित अनुच्छेद में शैशव पूर्व देखभाल तथा सभी बालकों के लिये उनके छ: वर्ष की आयु पूरी कर लेने तक शिक्षा के लिये उपबन्ध किया है। यहां एक और अधिनियम जिसका शीर्षक है lHenerpe Jeef yerHemekeâleceo peJe Llecece bokeâ yJeGÛevemesJeleue ckeâveyebpeHeJeo ।बजए 2009 (meb#esHe cesb lpc ~yepe) लाया गया और इसे भी दिनांक 01.04.2010 से प्रतिस्थापित (लागू) किया गया। यह अनुच्छेद 21ए पर लागू है। इस आरटीई एक्ट में यह भी व्यवस्था है कि 25 प्रतिशत meerš Ûlece.ÛleHeGbleue में प्राइवेट स्कूल में c@w आदि के लिये पहली क्लास में आरक्षित की जावेगी। फण्ड की व्यवस्था का उत्तरदायित्व राज्य सरकार पर रहेगा।

उक्त प्रकार कानून लाने व संविधान में संशोधन से 14 वर्ष तक के बालकों को जो अधिकार 10 वर्षों तक के हेतु थे उन पर विपरीत असर हुआ। छ: वर्ष तक के बालकों को जो शिक्षा का अधिकार था, वह छीन लिया गया यानी समाप्त कर दिया। उसे राज्य की सरकारों की दया पर छोड़ दिया गया। त्ज्म् एक्ट आने से पूर्व प्राइवेट स्कूलों में Ûlece.ÛleHeGbleue शिक्षा छ: वर्ष तक के बच्चों को दी जाती थी। सरकार के पास अर्थ के अभाव की बात की जाती है और कारण कुछ भी हो सरकारी स्कूलों की व्यवस्था नहीं है जहां छ: से कम और 6 से 14 वर्ष के सभी बालकों को शिक्षा दी जा सके। इससे बड़ा देश का क्या दुर्भाग्य है? यह सरकार की संविधान की खुली अवज्ञा है।

इस लेख का यह उद्देश्य नहीं है, आंदोलन में पक्ष व विपक्ष में कौन दोषी है कौन सच्चा व कौन झूठा है। लेखक केवल यह कहने का प्रयत्न कर रहा है कि देश में कोई भी सरकार रही हो, सभी ने संविधान की अवज्ञा की है।

बिहार की आगामी चुनावों को लेकर wHl पर पर देश की संसद, देश की सड़कों और चुनाव आयोग के कार्यालय तक आंदोलन विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में हंगामें के रूप मे ंकर रहा है और संसद के प्रति अपने दायित्व को नहीं निभा रहा है। संसद के कार्यों मं बाधा डालना और सत्ता पक्ष को सांसदीय कार्यों को अन्जाम देने के कार्यों में रूकावट पैदा करना, किसी भी प्रकार उचित नहीं कहा जा सकता। अर्थात् विपक्ष के इस कृत्य को संविधान की अवज्ञा ही कहा जावेगा। संविधान के अनुच्छेद 326 में यह स्पष्ट किया गया है, विधानसभा व लोकसभा के चुनावों में प्रत्येक व्यक्ति को जो भारत का नागरिक है और जो कम से कम 18 वर्ष की आयु का है वही व्यक्ति चुनाव में मदान का अधिकारी है और यह व्यक्ति होगा जिसने किसी निर्वाचन के मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का अधिकार प्राप्त किया है। चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 में विशिष्ट संविधानिक दायित्व दिया है और वह दायित्व है चुनावों के लिये नामावली तैयार करना, यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 327 व 328 में की गई है। बिहार मेंैप् के दौरान 65 लाख 40,000 तथाकथित मतदाताओं के नाम काटे गये हैं, जिनमें मृतक व वे व्यक्ति हैं जो अपना निवास छोड़ चुके हैं तथा वे लोग भी हैं जो यह प्रमाणित नहीं कर सके हैं कि वे इस देश के नागरिक हैं, क्योंकि वे बांग्लादेश या म्यांममार के लोग हैं जो भारत में अवैध रूप से घुसकर रह रहे हैं। ऐसे लोगों को 30 दिन का समय प्रतिवेदन देने का दिया है, जहां वे अब भी कानूनी प्रमाण पेश कर साबित कर सकते हैं कि वे इस महान देश के नागरिक हैं और इस नाते उन्हें मतदान का अधिकार है।

जैसा ऊपर कहा हैैप् की की वैधता की प्रश्न सुप्रीम कोर्ट मं चल रहा है। यही विवाद राज्य सभा व संसद में भी गूंज रहा है। संसद से निकलर इंडिया ब्लॉक का 'वोट चोरी' विरोध सड़कों पर आ चुका है।

इस लेख का यह उद्देश्य नहीं है, आंदोलन में पक्ष व विपक्ष में कौन दोषी है कौन सच्चा व कौन झूठा है। लेखक केवल यह कहने का प्रयत्न कर रहा है कि देश में कोई भी सरकार रही हो, सभी ने संविधान की अवज्ञा की है। चाहे वह मामला शिक्षा को हो अथवा वोटर्स लिस्ट बनाने का हो अथवा लोकसभा व राज्यों की विधान सभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण का रहा हो। संविधान के अनुच्छेद 334 में आरक्षण 10 वर्ष का था जो समय की अवधि के बाद स्वत: ही समाप्त होने वाला था; किन्तु वह 10 वर्ष की अवधि के बाद भी सरकार द्वारा जारी रखा गया और अनुच्छेद 334 में 23वां संविधान संशोधन 1969 में उसे 20 वर्ष किया और प्रत्येक 10 वर्ष बाद संशोधन किया जा रहा है। यह सर्वथा असंवैधानिक है; किन्तु संविधान की अवज्ञा इसी प्रकार प्रत्येक सरकार जो सत्ता में रही करती आ रही है।

यहाँ øeMve wHl का है। राहुल गांधी जो लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, उनका कहना है कि यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है अपितु वोट चोरी की सच्चाई देश की जनता के सामने रखने की है। यह लडाई संविधान बचाने की है। यह लडाई 'एक व्यक्ति एक वोट' की लडाई है। यह नारा स्वंय ही संविधान की अवज्ञा का घोतक है। दिनांक 12.08.2025 की बहस में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि उसेंैप् का अधिकार है वह संविधान व आर पी अधिनियम 1950 कानून के अनुसार कार्य कर रहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि वोट देने के अधिकारी वोटर्स को मत देने से नहीं रोका जा रहा है और जिनके नाम काटे गये हैं उन्हें प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का और मतदाता बनने का अधिकारी होने के बाबत यथोचित शहादत पेश करने का व सुनवाई का अवसर दिया जावेगा। माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ जिसके जस्टिस सूर्यकान्त व जस्टिस जॉय मॉल्या बागची न्यायाधीश हैं सुनवाई कर रहे हैं। बहस अभी (14.08.2025 तक) चल रही थी। इसका निर्णय शीघ्र होने की संभावना है। लेखक को केसेज के गुण दोषों पर कुछ नहीं कहना। इस लेख का अभिप्राय है कि जनता को यह स्पष्ट किया जावे कि सत्ता में बैठी सभी राजनीतिक पार्टियों ने संविधान की अवज्ञा की है। शिक्षा, विधान सभा की सीटों का भाषा के, चुनाव संबंधित प्रावधानों की अवज्ञा की है। विपक्ष संविधान की जो पुस्तक लेकर 'संविधान बचाओ' आन्दोलन की बात कर रहा है वह पुस्तक सम्भवत: 2-3 वर्षों पूर्व तक उन्हें संशोधनों के अपने में अंगीकृत किये हुये हैं। पुस्तक उस संविधान को प्रस्तुत नहीं करता जो दिनपांक 01.04.2010 से पूर्व था अथवा 26.01.1960 के पूर्व में था या जो 23.01.1970 से पूर्व था। अनुच्छेद 334 स्थानों के आरक्षण और विशेष प्रतिनिधत्व का कतिपय अवधि के पश्चात् नकहने से सम्बन्धित है यानी ÛleJeDeHesHeJeo serbmeme yecebsce peJe erbDece bo ceefefceyepe Jeo peerce ceieÛeHelebpeHeJeo Jeef b ÛeceleHeJekeâ Jeef ... uecebles प्रारम्भ में यह 10 वर्ष था अब इसे अवधि को 80 ल्मंते कर दिया गया है।

यानी प्रारम्भिक अवधि को प्रत्येक 10 वर्ष बढ़ा दिया जाता है। संविधान की अवज्ञा का इससे बढ़कर कोई प्रमाण नहीं मिल सकता। इसने हजारों लोगों को चुनाव में खड़े होने से रोका है। इसी प्रकार अनुच्छेद 45 की 10 वर्ष की अवधि में 14 वर्ष के बालकों को अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा न देकर सरकार ने संविधान की अवज्ञा ही नहीं की है अपितु पाप किया है इसके फलस्वरूप आजादी के 75 वर्षों के बाद भी हमें पढ़े लिखे व सही समझ वाले सही सांसद, विधायक व पंच, सरपंच नहीं चुन पाये हैं। संविधान कहता है हिन्दी राजभाषा (राष्ट्रभाषा) होगी और संविधान लागू होने के 15 वर्ष पश्चात् हिन्दी राजभाषा होकर संसद की भाषा हुई है आप स्वंय अनुच्छेद 120 को पढ़कर यह अर्थ निकाल सकते हैं। आइये मिलकर हम देश के लोग यह घोषणा करें कि हम संविधान का पालन करेंगे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करेंगे। सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

जयपुर मंडल रेल प्रबंधक ने फुलेरा जंक्शन पर निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया

फुलेरा, (निसं)। जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन गुरुवार को मंडल स्तरीय रेल अधिकारियों के साथ विशेष निरीक्षण रेलयान गाड़ी से फुलेरा पहुंचे, जहां फुलेरा के रेल अधिकारी डीएमई रोहित मीना, एडीईएन श्याम सुंदर गर्ग, स्टेशन अधीक्षक सतीश कुमार ने पहली बार फुलेरा आगमन पर डीआरएम रवि जैन को बुके देकर स्वागत सत्कार करते हुए अगुवाई की। डीआरएम रवि जैन ने फुलेरा के रेल अधिकारियों से रूबरू होते हुए चार नंबर प्लेटफार्म के रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचकर रेलवे यार्ड का निरीक्षण करते हुए स्थानीय रेल अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें उचित कार्रवाई के दिशा निर्देश दिए।

डीआरएम ने प्लेटफार्म नंबर 3 का निरीक्षण के दौरान स्टेशन टीन सेड, पानी निकास नालियों तथा आरपीएफ थाने का तथा स्टेशन का निरीक्षण करते हुए मिली कमियों के बारे में संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर फुलेरा जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सुबोध छाबड़ा के नेतृत्व में विमल काला, महेश रावंका, राकेश जैन सहित अन्य लोगों ने डीआरएम जैन का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया। इसके बाद डीआरएम ने सेंट्रल लॉबी का निरीक्षण किया तथा प्लेटफार्म नंबर दो के निरीक्षण के बाद अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया जहां उचित दिशा निर्देश देने के बाद रेलवे रनिंग रूम का निरीक्षण करने के बाद जलपान ग्रहण किया और अपने गंतव्य के लिए रेल निरीक्षण यान से अपने लवाजमें के साथ रवाना हुए। इस अवसर पर एडीआरएम संजीव दीक्षित, सीनियर डीसीएम पूजा मित्तल, सीनियर डीपीओ सत्येंद्र

जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन का फुलेरा में रेल अधिकारियों ने स्वागत किया।

यादव, वरिष्ठ मंडल ईई विजयसिंह चौधरी, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सीएंडडब्लू) प्रमोद रावत, फुलेरा स्टेशन मास्टर सतीश कुमार सहित अन्य स्थानीय रेल अधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर्व को सार्थक करने के लिये भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों को आत्मसात करें

डॉ. जे. के. गर्ग

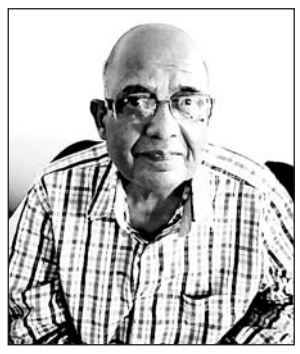

भगवान कृष्ण की उपासना के पर्व जन्माष्टमी पर हमारी पूजा अर्चना तभी सार्थक होगी जब हम भगवान के उपदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लें और उनके बताए रास्ते पर चलें। कृष्णमय हो कर उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। सनातन धर्म के अनुयायीयों के मतानुसार जब जब इस धरा पर राक्षसों और क्रूर शासकों के जुल्म और अत्याचार चरम सीमा तक बढ़ जाते हैं और जब सत्य पर असत्य, विनम्रता पर अहंकार, नैतिकता परअनैतिकता, सहिष्णुता पर असहिष्णुता, न्याय पर अन्याय और धर्म पर अधर्म हावी हो जाता है, तब जगत के पालनहार भगवान विष्णु खुद सत्य और धर्म की पुन: स्थापना करने हेतु पृथ्वी पर अवतरित होते है। इसी कड़ी में भारत की पावन भूमी पर स्वयंभगवान विष्णु अपनी सोलह कलाओं के साथ आठवें अवतार के रूप में भाद्रपदमास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि को रोहिणी नक्षत्र में क्रष्ण के रूप में अवतरित हुए थे।

भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता के माध्यम से मानव जीवन के गूढ़ रहस्यों सरल भाषा में समझाते हुवे निष्काम भाव से सात्विक कर्म करके उन्हें परमात्मा को समर्पित करने कहा था। कृष्ण ने केवल उपदेश ही नहीं दिए ,उन्होंने उनको साकार कर भी दिखाया। जैसे गीता के रूप में उनकी वाणी अनुकरणीय है वेसे ही उनका जीवन भी। भगवान ने बताया कि रिश्ते कैसे निभाये जाते हैं। अपने जीवन को कैसे प्रेममय बनाया जाता है और जीवन के उतार चड़ाव कासामना मुस्कराते हुये कैसे किया जाता है। भगवान कृष्ण ने हमको समझाया कि हम क्यों व्यर्थ की चिंता करते हैं? आत्मा अविनाशी और अमर है। जो हुआ वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है, जो होगा, वह भी अच्छा ही होगा। तुम भूत का पश्चाताप ना करो, भविष्य की चिंता ना करो। ध्यानपूर्वक सुनो तुम्हारा क्या गया गया, जो तुम रोते हो? तुम क्या लाए थे, जो तुमने खो दिया? तुमने क्या लाये हो जो नष्ट हो गया है? ना तुम कुछ लेकर आए, जो लिया यहीं से लिया। जो दिया, यहीं पर दिया। जो लिया, भगवान से लिया। जो दिया भगवान को दिया। इंसान खाली हाथ आया और खाली हाथ जायेगा। जो आज तुम्हारा है, कल किसी का था, परसों किसी और का होगा। तुम इसे अपना समझ कर मग्न हो रहे हो। बस यही प्रसन्नता तुम्हारे दुखों का मूल कारण है। विश्वास रखों परिवर्तन संसार का नियम है। जिसे तुम मृत्यु समझते हो, वही तो जीवन हैं। यही सबसे उत्तम सहारा है। जो इसके सहे को जनता है वह भय, चिन्ता, शोक से सर्वदा मुक्त है। जो कुछ भी तुम करते हो उसे, भगवान को अर्पण कर दो। ऐसा करने से तुमको सदा का आनंद अनुभव होगा।

इस जन्माष्टमी भगवान की उपासना करते हुये उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। कर्तव्य परायणता की यही शिक्षा श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की रणभूमि में गीता के माध्यम से अर्जुन को दी थी, जो युद्ध भूमी में अपने स्वजनों की संभावित मृत्यु के भय से दुखी होकर अपने क्षित्रय धर्म एवं कर्तव्य से मुहँ मोड़ कर युद्ध नहीं करना चाह रहे थे। भगवान ने बतलाया कि एक क्षण में तुम करोडो के स्वामी बन जाते हो, दूसरे ही क्षण में तुम दरिद्र हो जाते हो। मेरा -तेरा, छोटा-बड़ा, अपना-पराया मन से मिटा दो, फिर सब तुम्हारा हैं, तुम सबके हो। यह शरीर अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश से बना है और इसमें ही में मिल जाएगा। परन्तु आत्मा स्थिर हैं अविनाशी है तुम नाशवान शरीर नहीं हो तुम तो अविनाशी आत्मा हो तुम अपने आपको भगवान को अर्पित करो। निसंदेह गोवर्धन कान्हा के सम्पूर्ण जीवन काल में कर्म की ही प्रधानता रही थी। भगवान कृष्ण ने हमें बताया कि जिसने जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है और मृत्यु के पश्चात् पुनर्जन्म भी निश्चित है प्रत्येक बुद्धिमान व्यक्ति को असत्य, विनम्रता पर अहंकार, नैतिकता परअनैतिकता, सहिष्णुता पर असहिष्णुता, न्याय पर अन्याय और भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता के माध्यम से मानव जीवन के गूढ़ रहस्यों सरल भाषा में समझाते हुवे निष्काम भाव से सात्विक कर्म करके उन्हेंपरमात्मा को समर्पित करने कहा था। कृष्ण ने केवल उपदेश ही नहीं दिए ,उन्होंने उनको साकार कर भी दिखाया। जैसे गीता के रूप में उनकी वाणी अनुकरणीय है वेसे ही उनका जीवन भी।

याद रखें कि जो हुआ वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है, जो होगा वो भी अच्छा ही होगा। मेरा तेरा, छोटा बड़ा, अपना पराया, मन से मिटा दो, फिर सब तुम्हारा है और तुम सबके हो। मनुष्य जो चाहे बन सकता है, अगर वह विश्वास के साथ इच्छित वस्तु पर लगातार चिंतन करें तो जो मनुष्य अपने अपने कर्तव्य का पालन करता है, वह असली योगी है। जो पुरुष न तो कर्मफल की इच्छा करता है, और न कर्मों से घृणा करता है, वह मनुष्य ही वास्तव के अंदर संन्यासी है। जीवन न तो भविष्य में है ना अत। जो विद्वान् होते है, वो न तो जीवन के लिए और न ही मृतक के लिए शोक करते है। हे अर्जुन! परमेश्वर प्रत्येक जीव के हृदय में स्थित है। भगवद गीता के अनुसार नरक के तीन द्वार होते है, वासना, क्रोध और लालच। मनुष्य को इन तीनों से बचना चाहिए।

कर्मकाण्ड पूजा अर्चना का अपना महत्व है। किंतु अगर साधारण आदमी कृष्णमय बन कर भगवान के उपदेशों को मूर्त रूप देने की आत्मशक्ति प्राप्त कर ले तो सच्चाई में यही भगवान की सच्ची उपासना होगी।

- डॉ. जे. के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

वीर दुर्गादास जयंती पर प्रतिभाओं का सम्मान किया

- **निम्बार्काचार्य श्रीजी महाराज के सानिध्य में वीर दुर्गादास जयंती मनाई**
- **कार्यक्रम में वक्ताओं ने वीर दुर्गादास के जीवन चरित्र से सीख लेकर अपने जीवन में उतारने का आव्हान किया**

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। राजपूत सभा समिति की ओर से जगतगुरु निंबार्काचार्य पीठाधीश्वर श्यामशरण देवाचार्य श्रीजी महाराज के सानिध्य में वीर दुर्गादास राठौड़ की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, राज्य खेल परिषद सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगर परिषद सभापति दिनेश सिंह राठौड़, उपखण्ड उपखण्ड अधिकारी रूपनगढ़ कुलदीप सिंह शेखावत, उपखंड अधिकारी मसूदा दीपशिखा कालवी, पार्षद अजमेर देवेंद्र सिंह शेखावत अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्रीजी महाराज ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ स्वाभिमान भक्ति, राष्ट्र भक्ति के साथ भागवत भक्ति के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने वीर दुर्गादास को भारत भूमि के आदर्श की उपाधि दी।

समारोह में शिक्षा, खेल व राजकीय सेवाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाली सौ से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया।

संभागीय आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़ ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ जैसा योद्धा विश्व के इतिहास में नहीं हुआ। विधायक देवीसिंह शेखावत ने कहा कि सदियां बीत जाने के बाद वीर दुर्गादास जैसा महापुरुष पैदा होता है। सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया, मसूदा उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी, सभापति दिनेश सिंह, अजमेर पार्षद देवेंद्र सिंह ने वीर दुर्गादास के जीवन चरित्र से सीख लेकर अपने जीवन में उतारने का आव्हान किया।

खुखाराज परिवार के यदुनाथ सैन, ओजस्वी वक्ता श्यामसुंदर टेलर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्ष उदय सिंह राठौड़ तोलामाल ने जयंती समारोह पर प्रकाश डाला। समारोह में शिक्षा, खेल व राजकीय सेवाओं में उत्कर्ष परिणाम प्राप्त करने वाली सौ से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। संचालन अतिरिक्त विकास अधिकारी शक्ति सिंह राठौड़ ने किया। सचिव सुमेर सिंह राठौड़, संरक्षक व पूर्व विधायक जगजीत सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एडवोकेट किशोर सिंह उरसेवा, समरथ सिंह तीत्यारी, शिवसौरभ सिंह, जयदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

राशिफल शुक्रवार 15 अगस्त 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, अश्विनी नक्षत्र प्रात: 7।36 तक, गड़योग दिन 10.16 तक, गरण करण दिन 3.16 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, कुम्भ-केतु राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि और रवियोग प्रात: 7.36 से रात्रि 11.50 तक है। आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मार्ती) है। श्रीकृष्ण जयंती थाड़ी पर्व (सिन्धी) है। आज जीवंतिका पूजन, पारसी नूतन वर्ष (नवरोज) आरम्भ है। आज भारतीय स्वतंत्रता दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चट-सूर्योदय से 2.39 तक, लाभ-अमृत 7.39 से 10.54 तक, शुभ 12.31 से 209 तक, चट 5.23 से सूर्यास्त तक

राहूकाल: 10.30 से 12.00 तक, सूर्योदय 6.02 सूर्यास्त 7.01

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित समस्या हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 15 अगस्त, 2025

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की हवा निकाली

चुनाव आयोग को अब उन 65 लाख मतदाताओं की सूची छापनी होगी, जिनका नाम वोटर लिस्ट से काटा गया है, तथा चुनाव आयोग को यह बताना होगा कि, किस कारण से इन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गये थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त । बिहार, जहाँ 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटाने को लेकर विवाद चल रहा था, को अचानक राहत मिली है।

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने इस अवसर पर सामने आकर अहम कदम उठाते हुए चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई है।

इसके साथ ही, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सभी विपक्षी पार्टियों को साथ लेकर मोदी सरकार के खिलाफ वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) के मुद्दे पर जोरदार मोर्चा खोल रखा है और मानसून सत्र के बड़े हिस्से में संसद नहीं चलने दी।

वोट में हेरफेर कर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को फायदा पहुंचाने की कोशिश ने चुनाव आयोग की भूमिका को उजागर कर दिया है, जो लगातार भाजपा के लिए काम करता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अब तक चुनाव आयोग, इस बात पर अड़ा हुआ था कि कानूनन वह बाध्य नहीं है, उन व्यक्तियों के नाम बताने के लिए जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटाये गये हैं, और क्यों हटाये गये हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऑर्डर में यह भी कहा कि जिन व्यक्तियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाये गये हैं, वे अपना आधार कार्ड संलग्न करके, अपना नाम जुड़वाने की अर्जी दे सकेंगे। यह उल्लेखनीय है, क्योंकि अब तक चुनाव आयोग आधार कार्ड को अमान्य बताता रहा है, वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाने की दृष्टि से।**

अवकाश की सूचना

राष्ट्रदूत कार्यालय में 15 अगस्त 2025 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा। **-सम्पादक**

रिश्वत प्रकरण में बागीदौरा विधायक को जमानत मिली

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल सहित, तीन अन्य को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन ने यह आदेश चारों आरोपियों जयकृष्ण पटेल, उससे चचेरे भाई और सहयोगी विजय कुमार सहित, दो अन्य लक्ष्मण सिंह व जगराम मीणा की जमानत याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किश्तवाड़ में बादल फटा, 52 की मौत और 200 लापता

- **कश्मीर के चशोरी गांव में मचैल माता की धार्मिक यात्रा के दौरान यह हादसा हुआ।**
- **गुरुवार दोपहर 12.30 बजे बादल फटा, कई लोग पहाड़ से आए पानी व मलबे की चपेट में आ गए। अब तक 42 की मौत की खबर है, 65 को बचा लिया गया है।**

किश्तवाड़,14 अगस्त। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 52 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 65 लोगों को बचाया गया है। और करीब 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डर सब-डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए। चशोटी, किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह जगह पड्डर घाटी में है, जो 14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। इस इलाके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

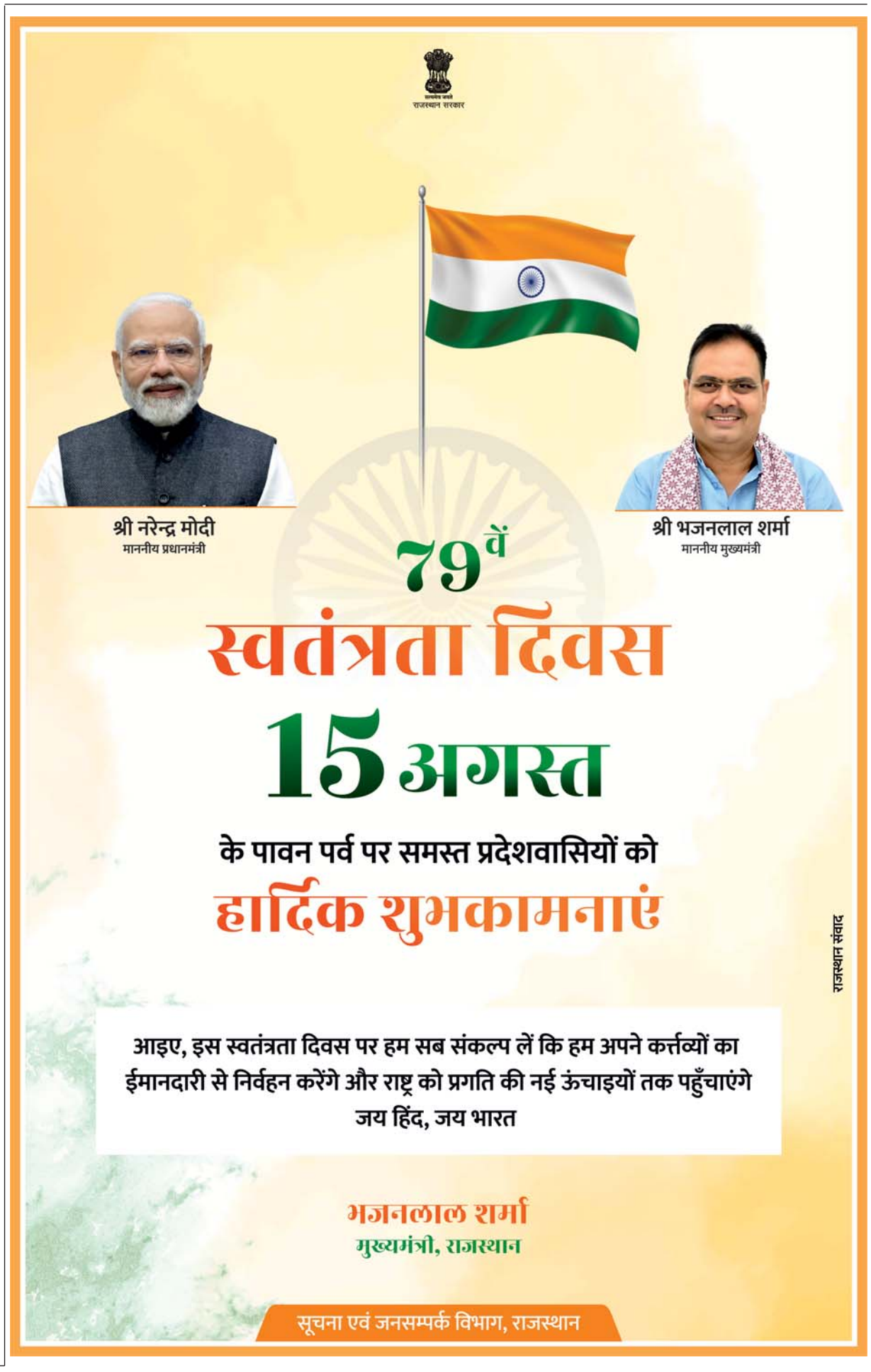

दुर्गादास राठौड़ का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

वीरवर दुर्गादास राठौड़ की 387वीं जयंती का राज्य स्तरीय समारोह डीडवाना में आयोजित

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में वीरवर दुर्गादास राठौड़ की 387वीं जयंती का राज्य स्तरीय समारोह एक ऐतिहासिक माहौल में आयोजित हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। श्रीहिम्मत छात्रावास मैनेजिंग कमेटी और राजपूत सभा के संयुक्त आयोजन में प्रदेशभर से राजपूत समाज के प्रतिनिधि, जन प्रतिनिधि और समाजसेवी बड़ी संख्या में पहुंचे। मंच पर शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, गाड़ौदा धाम के स्वामी महावीर जति महाराज, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, अजमेर के संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, परबतसर के पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, भाजपा नेता जितेंद्र सिंह जोधा, करणी सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजपूत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का शॉल ओढ़ाकर और तलवार भेंट कर सम्मान किया।

- **उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने युवाओं से आव्हान किया कि देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुट होकर देश विरोधी ताकतों के मंसूबे नाकाम करें**

समारोह को संबोधित करते हुये उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि वीरवर दुर्गादास राठौड़ स्वामी भक्ति और देश भक्ति की ऐसी मिसाल हैं, जो सदियों बाद भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उनके समय में थी। उन्होंने दुर्गादास को स्वतंत्रता और अदम्य साहस का प्रतीक बताते हुए कहा कि नई पीढ़ी को उनके जीवन से सीख लेकर हर परिस्थिति में धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के हित में डटे रहना चाहिए। दिया कुमारी ने कहा कि हमारे महापुरुषों ने अपने जीवन की परवाह किए बिना देश और सनातन धर्म की रक्षा की, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों आक्रमणों के बावजूद हमारी संस्कृति आज भी जीवित है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुट होकर देश विरोधी ताकतों के मंसूबे नाकाम करें। दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज का भारत मजबूत और आत्मनिर्भर है, जो किसी भी देश की धमकी से नहीं डरता। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में देश संकटों के बावजूद आगे बढ़ रहा है और किसी भी बाहरी ताकत की चाल अब सफल नहीं हो सकती। भारत न कभी झुका है, न झुकेगा, उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा।

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि महापुरुषों की जयंतियां मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके बारे में जागरूक करना और उनसे प्रेरणा लेना है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री का शॉल ओढ़ाकर और तलवार भेंट कर सम्मान किया गया, जिससे समारोह का माहौल और भी गरिमामय हो उठा।

डीडवाना की इस ऐतिहासिक भूमि पर हुआ यह आयोजन न केवल वीरवर दुर्गादास राठौड़ के बलिदान और योगदान को स्मरण कराने वाला अवसर बना, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि जब तक उनकी प्रेरणा जीवित है, राष्ट्र की रक्षा की भावना कभी कमजोर नहीं पड़ेगी।

सड़क हादसे में पुत्र की मौत, मां घायल

छबड़ा, (निसं)। रामपुरिया गांव में गुरूवार सुबह खेत से चारा लेकर आ रहे मां-बेटे की बाइक को पिकअप ने टक्कर मार दी, जिसमें पुत्र की मौत हो गई। वहीं, घायल माता को उपचार के लिए बारां रैफर कर दिया। मकान के सामने घटी इस घटना से ग्रामवासी स्तब्ध हैं। पुलिस के अनुसार रामपुरिया निवासी जमनालाल पुत्र हजारीलाल मीणा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी पत्नी मांगीबाई व पुत्र बलराम गुरूवार सुबह खेत से चारा लेकर मोटरसाइकिल से घर आ रहे थे। उनके घर के पास ही पिकअप खड़ी हुई थी। जिसके चालक अनिल उर्फ अन्नू मीणा ने पिकअप को अचानक तेज गति से चलाकर उसके घर के सामने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए छबड़ा चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सको ने बलराम को मृत घोषित कर दिया और मांगीबाई की गंभीर हालत को देखते हुए बारां रैफर कर दिया।

एडमिट कार्ड 17 को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से अजमेर जिला मुख्यालय पर एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उप निदेशक परीक्षा 2024 का आयोजन 20 अगस्त को होगा। परीक्षा दो पारियों में होगी, प्रथम प्रश्नपत्र की परीक्षा 10 से 12 बजे तक तथा द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा दोपहर 3 से 5 बजे होगी। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा। परीक्षा के प्रवेश पत्र 17 अगस्त को आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

कार्यालय, अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशैड रोल कम डाटा सेन्टर जिला-कोटपूतली-बहरोड

E-mail-sewdse.kot.behror@rajasthan.gov.in

क्रमांक : 791-803 — दिनांक : 8.8.2025

ई-निविदा सूचना सं-07/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 20 के अंतर्गत जिला कोटपूतली-बहरोड़ के 01 ब्लॉक में Vermicompost for individual beneficiary, Horticulture plantation for individual beneficiary ईसीडी, आरटीडब्ल्यूएचएस विद रिचार्ज शाफ्ट एनिकट डेड वेल रिचार्ज बैंक स्टेबलाइजेशन कार्य अभियान-20 द्वितीय चरण अंतर्गत 02 ब्लॉक में आरटीडब्ल्यूएचएस, आरटीडब्ल्यूएचएस विद रिचार्ज शाफ्ट निर्माण कार्य निवारण स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार सार्वजनिक निर्णय विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिक विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कर विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in "https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.water.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code :- WSC2526A0629

UBN	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
WSC2526WSOB1083	दिनांक 09.082025 समय प्रात: 09.30 बजे से 15.8.2025 सायं 6 बजे तक	दिनांक 16.8.2025 प्रात: 11 बजे
WSC2526WSOB1084 WSC2526WSOB1085 WSC2526WSOB1086	दिनांक 9.8.2025 समय प्रात: 9.30 बजे से 18.8.2025 सायं 6 बजे तक	दिनांक 19.8.2025 प्रात: 11 बजे

DIPR/C/11674/2025 (हरिमोहन बैरवा), अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबंधक (डब्ल्यू.सी.डी.सी.) कोटपूतली-बहरोड

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान-ब्यावर रोड, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर - 01462-230051 ई-मेल :- npvijaynagar@gmail.com

ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 12/2025-26

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा सूचना संख्या 12/2025-2026 के कार्य संख्या 01 की अनुमानित लागत 24.99 लाख है। ऑन लाईन निविदाए दिनांक 15-08-2025 से 25-08-2025 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 26-08-2025 को निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑन लाईन निविदा की ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक 28-08-2025 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UNB Reference No:- DLB2526A4678

राज.संवाद/सी/25/8162 — अधिशाषी अधिकारी

खेजड़ी संरक्षण के लिए नया कानून बनेगा : राज्यमंत्री बिश्नोई

- **राज्यमंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नोखा और अन्य क्षेत्रों से पहुंचे पर्यावरण प्रेमियों से मुलाकात की**

नोखा, (निसं)। राजस्थान में खेजड़ी सहित अन्य पेड़ों के संरक्षण के लिए नया कानून बनेगा। राज्यमंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नोखा और अन्य क्षेत्रों से पहुंचे पर्यावरण प्रेमियों से मुलाकात की। इस दौरान सोलर कंपनियों द्वारा अवैध रूप से पेड़ों की कटाई को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि मानसून सत्र में खेजड़ी संरक्षण अधिनियम लाया जाएगा। इसके तहत राज्य वृक्ष खेजड़ी को पूर्णतः संरक्षित घोषित किया जाएगा। खेजड़ी की अवैध कटाई करने वाले व्यक्ति या संस्थान पर 2 लाख रुपए का जुर्माना और 3 साल की सजा का प्रावधान होगा। सोलर प्लांट के लिए नए नियम बनाए जाएंगे। कंपनियों को विकसित पेड़ों को बचाते हुए प्लांट स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें 15-20 प्रतिशत अतिरिक्त जमीन लेनी होगी। प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले पेड़ों की जियो-टैगिंग कराना अनिवार्य होगा। सोलर प्रोजेक्ट क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से सघन वन विकसित करना होगा। कुल क्षेत्र का 15-20 प्रतिशत हिस्सा 'ग्रीन वैली' के रूप में विकसित करना अनिवार्य होगा। पेड़ों की कटाई के लिए जिला कलेक्टर की अनुमति लेनी होगी। सिंचित कृषि भूमि और कुएं/नलकूप वाली जमीन पर सोलर प्रोजेक्ट की अनुमति नहीं दी जाएगी। वार्ता में फरसाराम बिश्नोई जोधपुर, सुभाष बिश्नोई, स्वामी कृपाचार्य, महंत आनंद प्रकाश जाम्भा, शिवराज जाखड़, रामनिवास बुधनगर, मांगी लाल बुढ़िया, ओमप्रकाश लोल, रिछपाल फौजी, भोमाराम भादू, हेतराम डूडी, रवि बिश्नोई, विजयपाल डेलू आदि शामिल थे।

तस्करों को छुड़ाने के लिये नारकोटिक्स टीम पर हमला करने की कोशिश

- **दो अलग-अलग कार्रवाई, अफीम व डोडा-चूरा बरामद, एक आरोपी को पकड़ा, तीन फरार**
- **दूसरी कार्रवाई में नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने 77.100 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया**

कोटा, (निसं)। प्रदेश में मादक पदार्थ तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ अफीम व डोडा चूरा बरामद किया है। नारकोटिक्स टीम द्वारा मादक पदार्थ अफीम की कार्रवाई के दौरान तस्करों को छुड़ाने के लिये मौके पर भीड़ ने टीम पर हमला करने की कोशिश की। वहीं टीम ने मुकाबला करते हुए माल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया एवं दो आरोपी भीड़ व अंधेरा का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गये। वहीं दूसरी कार्रवाई में टीम ने मादक पदार्थ डोडा-चूरा ले जाते हुए कार सवार को रोकने की कोशिश की, टीम को देखकर कार चालक ने तेज गति से कार चलाते हुए आगे जाकर माल को कार से उतारकर कार लेकर फरार हो गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ डोडा चूरा को जब्त कर लिया। उक्त दोनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति बंदनवाड़ा फ्लाईओवर के पास किसी तीसरे व्यक्ति को अवैध अफीम पहुँचाने वाले हैं। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर भेजा गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी। टीम ने अपने-अपने दोपहिया वाहनों पर सवार उक्त व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें बंदनवाड़ा फ्लाईओवर पर रोक लिया, टीम ने मौके पर वाहनों की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान टीम को मादक पदार्थ अफीम 4.068 किलोग्राम बरामद हुई। बुंदेल ने बताया कि मौके पर तलाशी के दौरान, लगभग 70-80 स्थानीय लोगों की हिंसक भीड़ ने आरोपियों को भागने में मदद करने के इरादे से निवारक दल पर हमला करने की कोशिश की। अत्यंत कठिन परिस्थिति के बावजूद, निवारक दल ने स्थिति को संभाला और कर्मचारियों, स्वतंत्र गवाहों और बरामद प्रतिबंधित सामग्री की सुरक्षा का आश्वासन देते हुए भीड़ को खदेड़ दिया। इस दौरान एक आरोपी को दो मोटरसाइकिलों सहित पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर हिंसक भीड़ की मदद से एक मोटरसाइकिल सहित मौके से भाग गए। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद अवैध अफीम और दो वाहनों को जब्त कर लिया गया। बरामद अवैध अफीम की तस्करी में शामिल होने के आरोप में एक व्यक्ति को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि वही दूसरी कार्रवाई में मुखबीर से सफेद रंग की टाटा पंच के मारवाड़ क्षेत्र में अवैध डोडा-चूरा ले जाने की सूचना मिलने के बाद केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) चित्तौड़गढ़ सेल और प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई। टीम ने संदिग्ध कार को देखते ही उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन कार चालक रुकने के बजाय, अंधेरे का फायदा उठाकर गति बढ़ाकर मौके से भाग निकला। संदिग्ध कार की तलाशी के दौरान, छापरी-जितिया मार्ग पर लावारिस हालत में चार काले रंग के बैग मिले। कार की आस-पास के इलाके में तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिली। टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 77.100 किलोग्राम बरामद किया। टीम ने डोडा-चूरा से से भरे चार बैग लावारिस हालत में बरामद किए।

कार्यालय नगर परिषद बारां

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक :-नपबा/राजस्व शाखा/2025/3861-62 — दिनांक :- 12.08.2025

अभिव्यक्ति की अभिरूचि (Expression of Interest-EOI) का आमत्रण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हर वर्श की भांति नगर परिशद बारां द्वारा डोल मैला 2025 का आयोजन दिनांक 03.09.2025 से किया जा रहा है। डोल मैला 2025 के अन्तर्गत फूड कॉर्ट (संलग्न मानचित्र में दर्शित स्थान पर)

(**फूड कॉर्ट स्थल संख्या 1** :-फल मण्डी के सामने चौपहिया वाहन पाकिंग के पास, लगभग 300×100 वर्गफीट क्षेत्रफल पर तालाब की पाल पर)

फूड कॉर्ट स्थल संख्या 2 :- तेजा जी के चबुतरक के पास, तालाब की पाल पर लगभग 300×100 वर्गफीट क्षेत्रफल पर)

संचालन के कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति अपनी दर बन्द लिफाफा पद्वति से नगर परिशद कार्यालय में दिनांक 20.08.2025 को दोपहर 01:00 बजे तक प्रस्तुत करेंगे। अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

विस्तृत अभिव्यक्ति की अभिरुचि (EOI) नगर परिशद कार्यालय तथा वेबसाइट WWW.SPPP.RAJASTHAN.GOV.IN से प्राप्त/डाउनलोड की जा सकती है।

फूड कॉर्ट स्थल संख्या 1 UBN NO.- DLB2526SSOB14426

फूड कॉर्ट स्थल संख्या 2 UBN NO. - DLB2526SSOB14427

राज.संवाद/सी/25/8151 — आयुक्त

कार्यालय नगर पालिका कपासन जिला चित्तौड़गढ़

क्रमांक/न.पा.क./निर्माण/2025-26/2029-30 — दिनांक : 13.08.2025

निविदा सूचना नं. 12/2025-26

नगरपालिका कपासन द्वारा नगर निकाय में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code : DLB2526A4679 पर देखे तथा निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:-

कार्य निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 31.07 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	दिनांक 14.08.2025 प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 26.08.2025 प्रातः 10:00 बजे तक
डी.डी./दस्तावेज जमा करवाने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 26.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 26.08.2025 दोपहर 2:00 बजे तक
ऑनलाईन वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक व समय	तकनीकी बिड मुल्यांकन पश्चात्
Unique Bid Number	
1	DLB2526WSRC14487

राज.संवाद/सी/25/8159 — अध्यक्ष नगरपालिका कपासन — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका कपासन

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD SAYLA (JALORE)

No.-321 Date-12.08.2025

-:: Notice Inviting Bid- 01/2025-26 ::-

Bid for Rate Contract of Un-Skilled Manpower Supply work under Municipal Board Sayla are invited from interested bidders upto 25.08.2025 (Date) 06.00 PM. (Time) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office. The approximate value of the procurement is Rs. 40.00 Lakhs.

UBN- DLB2526A4672

Raj.Samwad/C/25/8168 — Executive Officer

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नारायणपुर कोटपूतली-बहरोड़

Email id- narayanpur.ulb.jaipur@gmail.com

क्रमांकः- न.पा.नारा./ निर्माण/2025-26/535 — दिनांकः- 11.08.2025

निर्माण निविदा सूचना 08-2025-26

नगरपालिका नारायणपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सील बंद निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा website www.sppp.raj.ni.in से download कर देखी/प्राप्त की जा सकती हैं। RTPP एक्ट की शर्ते मान्य होंगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।

जिसके Nib Code व UBN Number निम्न प्रकार हैं।

Sr. No.	NIB Code	UBN No.
1.	DLB2526A4640	DLB2526WSOB14425

राज.संवाद/सी/25/8193 — अधिशाषी अधिकारी

पिता ने नाबालिग बेटी का 50 साल के व्यक्ति से जबरन निकाह करवाया

- **पिता ने पांच लाख रुपए में 15 साल की बेटी का सौदा किया, मां ने पति-बेटे समेत 11 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई**
- **मां का आरोप है कि मैं हमेशा से इस निकाह के खिलाफ थी, लेकिन पति और बेटे ने रुपयों के लालच में जबरन निकाह कर दिया**

बीकानेर, (निसं)। यहां एक पिता ने 5 लाख रुपए में 15 साल की बेटी का सौदा कर दिया। उसने बेटी की मर्जी के बिना 50 साल के व्यक्ति से उसका जबरन निकाह करवा दिया। निकाह के बाद जब वह नाबालिग से जोर-जबरदस्ती करने लगा तो लड़की रो पड़ी। वह मौका पाकर वहां से भाग निकली और मां के पास आ गई। मामला खाजूवाला थाना इलाके का है। नाबालिग की मां ने पति, बेटे और 50 साल के व्यक्ति समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मां का आरोप है कि मैं हमेशा से इस निकाह के खिलाफ थी लेकिन, पति और बेटे ने रुपयों के लालच में जबरन उसका निकाह कर दिया।

थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार प्रजापत ने बताया कि मां ने 12 अगस्त को रिपोर्ट दी है। मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित बच्ची के बयान लिए जाएंगे। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

नाबालिग की मां ने रिपोर्ट में बताया कि मेरी 15 साल की बेटी का निकाह 50 साल की उम्र के शख्स से करने का प्रस्ताव आया था। इसके लिए मैंने साफ मना कर दिया था। यह बात उस शख्स को बुरी लग गई। इसके बाद पति और बेटा इस निकाह के लिए मुझ पर दबाव बनाने लगे। पति ने कहा कि उसकी बात हो गई है। वह बेटी का निकाह उसी के साथ करेगा। 6 अगस्त को पति के साथ एक महिला और कुछ अन्य लोग आए। बेटी को धमकाया। इसके बाद पति, बेटा और वो लोग मेरी बेटी को जबरन साथ ले गए। रिपोर्ट में बताया कि 9 अगस्त को बेटी को नशीला पेय पिलाकर हमारे घर वापस लेकर आए। इसके बाद रात करीब 11 बजे मौलवी के साथ गाड़ियों में सवार अन्य लोग भी आए और निकाह की रस्में करने लगे। यह सब देख मैंने और बेटी ने विरोध किया। इस पर पति और बेटे ने कहा कि 5 लाख में सौदा हुआ है, निकाह तो करवाना ही पड़ेगा। वहीं उस दौरान मौजूद एक अन्य शख्स ने भी यही बात दोहराई। कहा कि हमें यह निकाह करवाना ही पड़ेगा। इसके बाद मुझे एक कमरे में जबरन बंद कर दिया गया। जबरन निकाह के बाद बेटी को गाड़ी में डालकर ले गए। इसके बाद 50 साल का व्यक्ति बेटी के साथ जोर-जबरदस्ती करने लगा। इस पर मासूम रोने लगी। किसी भी हरकत के लिए साफ मना कर दिया और भाग कर घर पर आ गई। नाबालिग की मां ने पॉक्सो एक्ट और बाल विवाह प्रतिषेध (2006) की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांकः जविप्रा/प.6()जविप्रा/सा.स्टोर/स्टेशनरी आपूर्ति/2025/डी-297 — दिनांक : 11.08.2025

निविदा सूचना

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ''स्टेशनरी आपूर्ति के लिए एक वर्ष का दर अनुबंध'' जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 90,00,000/- (अक्षरे नब्बे लाख रूपये मात्र) के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 25.08.2025 को सायं 6:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 25.08.2025 को सायं 6:00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No: JDA2526GLRC00385

निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी :-

1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रॉक्योरमेन्ट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत होना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/8261 — उपायुक्त (सा.स्टोर)

UNIVERSITY OF RAJASTHAN

Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur (Raj.)- 302004

No. :- F-9/G.Ad./Advertisement/Eproc./2025/2871 Dated :- 13/08/2025

Notice Inviting Bid

E-Bids for Two year Rate Contract for Empanelment of Advertising Agency are invited from interested bidders up to 25.08.2025 01:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state: and http://uniraj.ac.in. The approximate value of the procurement is Rs. 95.00 Lacs.

UBN No. : URA2526SLRC00059

NIB Code : URA2526A0021

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in, PH NO.-07464-250219

Notice Inviting Bid

Bids for construction of 200 mm dia tube well and PLJ of DI Pipe line works under Budget Announcement 2025-26 are invited from interested bidders up to 20.08.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:- PHE2526A2594

S.N.	NIT NO.	UBN
1	60/2025-26	PHE2526WSOB05177
01	Total work	01
02	Total Estimate Cost	17.33 Lac
03	Bid submission end date	20.08.2025 up to 06.00 PM
04	Bid opening date	21.08.2025 at 11.00 AM

DIPR/C/11414/2025 — (Vijay Kumar Meena) Executive Engineer PHED Division Karauli

Office of The Supertending Engineer, RPS & JS Dam Circle Kota

क्रमांक-RPS&JS/e-NIB-02/2025-26/5508-5515 — दिनांक-7-8-25

e-NIB No.- 02/2025-26

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tenders are invited from eligible contractors for the work(s) for **"Construction of Anicut on Aru River near Village Pipalda Tehsil Talera District Bundi" (estimated cost 143.14 lacs)**, for the period of 15 Months is invited from interested bidders from 11-08-2025 (9:30 Hr) to 21-08-2025 till 18:00 Hr. Other Particulars, terms and conditions may be seen on the procurement portal htpps://eproc.rajasthan.gov.in & htpps://sppp.rajasthan.nic.in and www.dipr.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in.

NIB No. WRD2526A0334

UBN No. WRD2526WSOB00851

DIPR/C/11498/2025 — Supertending Engineer RPS & JS Dam Circle Kota

रिटायर्ड अधिकारी को ठगों ने तीन घंटे डिजिटल अरेस्ट में रखा

- **पहलगाम हमले में पाकिस्तानी कनेक्शन बताया**
- **बैंक खाते और एलआईसी पॉलिसी की जानकारी लेने लगे तो फोन स्विच ऑफ कर लिया, ठगी से बचे**

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा के एक रिटायर्ड सरकारी अधिकारी को पहलगाम हमले में पाकिस्तानी कनेक्शन बताकर ठग ने तीन घंटे पर डिजिटल अरेस्ट में रखा। पीड़िता महेश चंद्र जोशी ने बताया कि तीन घंटे डिजिटल अरेस्ट में रहने के बाद जब अकाउंट नंबर और एलआईसी आदि की जानकारी लेने लगे तब उन्होंने समझदारी दिखाते हुए फोन काट कर दिया। इसके चलते वे ठगे जाने से बच गए।

पीड़ित महेशचंद्र जोशी।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह 9.30 बजे महेशचंद्र जोशी को एक फोन आया। फोन करने वाले ने अपने आपको एटीएस पुणे से बताया, जबकि वे उत्तर प्रदेश के किसी नंबर से फोन कर रहे थे। ठग ने महेश जोशी को कहा कि कश्मीर की पहलगाम आतंकवादी घटना में आपका नाम आया है। आपने यहां की सूचना पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को दी है। बदले में उन्होंने दो करोड़ रुपए आपके खाते में डाले हैं। यहां तक धमकाया कि परिवार में किसी को नहीं बताना। घर के अंदर कमरा बंदकर बैठ जाओ। डिजिटल अरेस्ट करने वाले इतने शातिर थे कि महेश जोशी को उनके मकान तक के फोटो भेजकर विश्वास दिला दिया कि वे सच बोल रहे हैं, लेकिन जब महेश जोशी से बैंक खाते और एलआईसी पॉलिसी की जानकारी लेने लगे तो उन्होंने स्विच ऑफ कर लिया। महेश जोशी ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट की जो मेरे साथ घटना हुई वो किसी अन्य के साथ न हो इसके लिए साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांकः जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/32-33 — दिनांक : 13.08.2025

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/32-33

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

S. No.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No.
1	32	Development and maintenance of Miyawaki Plantation in Swarn Jayanti Park with 2 year maintenance.. **UBN No. JDA2526WSOB00388**	182.32	16.08.25 25.08.25	28.08.25	214/2025-26
2	33	Development and maintenance of Road side plantation from Nevta to Mahindra World City GSS with 2 year maintenance. **UBN No. JDA2526WSOB00389**	147.13	16.08.25 25.08.25	28.08.25	213/2025-26

नोट :-

1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/8260 — वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

मुख्यमंत्री ने ड्रोन शो में देखा सेना का शौर्य

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग पर ''ऑपरेशन सिंदूर'' थीम पर आधारित ड्रोन शो को निहारा।

जयपुर/जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग पर मुख्यमंत्री ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' थीम पर आधारित ड्रोन शो का अवलोकन किया। मेहरानगढ़ दुर्ग से इस शो में लगभग 550 ड्रोन ने आसमान में भारतीय सेना की शौर्य गाथा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस अद्वितीय दृश्य को शहर के प्रमुख स्थलों पर स्पीकर और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से आमजन के लिए भी प्रसारित किया गया, जिसका साक्षी पूरा जोधपुर बना।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में 79वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में ''एट होम'' कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। जहां मुख्यमंत्री ने 14 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस पदक तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 5 लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक देवेंद्र जोशी, बाबू सिंह राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, उच्चाधिकारीगण, गणमान्य लोग व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

विधायक-सांसदों के चुनाव होते हैं, फिर छात्रसंघ चुनाव क्यों नहीं?

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए दायर याचिका पर मौखिक टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि जब सांसद और विधायकों के चुनाव कराए जाते हैं, तो छात्रसंघ चुनाव कराने में क्या परेशानी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 22 अगस्त को तय की है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान मामले में राज्य सरकार की ओर से पेश जवाब को रिकॉर्ड पर लिया गया। राज्य सरकार की ओर से जवाब में कहा गया कि प्रदेश के नौ विश्वविद्यालय के कुलगुरुओं ने छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने की सिफारिश की है। इसके अलावा छात्रसंघ चुनाव मौलिक अधिकार भी नहीं है। इसलिए

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए दायर याचिका पर मौखिक टिप्पणी की**

इस सत्र में प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने का निर्णय लिया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में सुनवाई 22 अगस्त को रखी है। याचिका में अधिवक्ता शांतनु पारीक ने कहा कि विवि के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। छात्र अपने प्रतिनिधि के जरिए ही प्रशासन तक अपनी समस्याएं पहुंचाते हैं। वहीं लिंगदोह कमेटी की सिफारिश के तहत भी हर साल सत्र आरंभ होने के छह से आठ सप्ताह में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए, लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक चुनाव को लेकर कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। इसलिए राज्य सरकार को छात्रसंघ चुनाव कराने के निर्देश दिए जाए।

रिलायंस डिजिटल इंडिया सेल 17 अगस्त तक जारी रहेगी

मुंबई(कासं)। भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल, अपनी लंबे समय से इंतजार की जा रही है। डिजिटल इंडिया सेल के साथ वापस आ गया है।

यह सेल 17 अगस्त 2025 तक चलेगी। सेल के दौरान ग्राहक 25प्रतिशत तक सेविंग्स (इसमें एसबीआई बैंक कार्ड्स पर 15000 तक 10 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट और गिफ्ट वाउचर्स में 15 प्रतिशत शामिल है) का फायदा उठा सकते हैं। इसके अलावा, ग्राहक इस सेल में आकर्षक पेपर फाइनान्स ऑप्शंस, जिसमें 1 फ्री ईएमआई भी शामिल है और चुनिंदा एक्सेसरीज पर यूपीआई से पेमेंट करने पर अतिरिक्त 5 प्रतिशत अनिलिमिटेड डिस्काउंटका भी फायदा उठा सकते हैं।

डिजिटल इंडिया से ग्राहकों के लिए सभी रिलायंस डिजिटल, माय जियो, जियो मार्ट डिजिटलस्टोर्स और ऑनलाइन स्टोर वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इस सेल में एपल प्रोडक्ट, वॉशिंगमशीन्स, पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज, रेफ्रिजरेटर्स औ एसी, किचन एंड होम अप्लायंसेस पर विशेष छूट के साथ ऑफर्स दिये जा रहे है।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

रीको औद्योगिक क्षेत्रों में

होटल भूखण्ड

ईएमडी: प्रारम्भ तिथि: 11 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 25 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 26 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 28 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

क्र.सं.	जिला	रीको इकाई कार्यालय	औद्योगिक क्षेत्र	भूखण्ड क्रमांक	क्षेत्रफल (वर्गमी)	आवंटित दर (प्रति वर्गमी)
1	सिरोही	आबूरोड	ग्रोथ सेंटर -II	CP-1 (Corner)	1750.50	7500.00
2	धौलपुर	भरतपुर	ग्रोथ सेंटर (विस्तार) धौलपुर	CP-8 (Corner)	7378.00	15000.00
3	भीलवाडा	भीलवाडा	ग्रोथ सेंटर हमीरगढ़ स्वरूपगंज के पास	CP-25	2697.00	7000.00
4	खैरथल-तिजारा	भिवाड़ी-I	भिवाड़ी	HT-61	4074.00	65000.00
			कहरानी	HT-1(Corner)	4402.30	50000.00

ईएमडी: प्रारम्भ तिथि: 11 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 26 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 27 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 29 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

क्र.सं.	जिला	रीको इकाई कार्यालय	औद्योगिक क्षेत्र	भूखण्ड क्रमांक	क्षेत्रफल (वर्गमी)	आवंटित दर (प्रति वर्गमी)
1	जयपुर	जयपुर (ग्रामीण)	कांट-कालवाड़ (विस्तार)	HP-21	24081.00	10000.00
				HP-16	13213.03	11000.00
				HP-17	12761.50	10500.00
				HP-4	14081.05	12000.00
2	अजमेर	किशनगढ़	किशनगढ़- III (मार्बल मंडी)	CP-1	1425.00	50000.00
3	टोंक	सवाईमाधोपुर	आईआईडी सेंटर निवाई कॉमर्शियल ब्लॉक- 1	Hotel-2	960.00	15000.00
4	श्रीगंगानगर	श्रीगंगानगर	13 एल.एन.पी. (पतीरिया)	Hotel (Corner)	1405.77	15000.00
			अनूपगढ़ फेज- II	Hotel	3081.00	22500.00
5	उदयपुर	उदयपुर	गुडली	SP-1 (Corner)	4405.00	15400.00

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राज.संवाद / सी / 25 / 8204

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें

https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक विकास के खुल रहे नये द्वार आप भी बनें भागीदार

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

अन्तिम 4 दिन शेष

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

72 कुल औद्योगिक क्षेत्र | 509 कुल भूखण्ड | 462 औद्योगिक भूखण्ड | 47 लॉजिस्टिक भूखण्ड

उपरोक्त औद्योगिक क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लागू नहीं है

ईएमडी: अंतिम तिथि: 18 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 19 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 21 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

71	आबू रोड़	01	चूरू
30	अजमेर	14	बीकानेर
04	अलवर	05	झुंझुनू
07	भिवाड़ी-I	10	भरतपुर
28	भिवाड़ी-II	28	किशनगढ़
14	बोरानाडा	21	भीलवाड़ा
02	दौसा	03	नीमराना
10	घिलोठ		

ईएमडी: अंतिम तिथि: 19 अगस्त, 2025 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 20 अगस्त, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 22 अगस्त, 2025 (सायं 05:00 बजे)

44	नागौर	08	उदयपुर
37	पाली	06	जयपुर (दक्षिण)
35	झालावाड़	01	जयपुर (ग्रामीण)
03	जालोर	67	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
22	राजसमंद	01	जोधपुर
30	कोटा	02	श्रीगंगानगर
01	सीकर	04	सवाई माधोपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 8184

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान या रीको की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005

ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें

https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

सत्यमेव जयते

भारत सर

सभी देशवासियों को

79वें स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

अगर आज दुनिया सोचती है कि भारत एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है, तो उसके पीछे 11 साल का एक शक्तिशाली लॉन्चपैड है।

- नरेन्द्र मोदी

लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण **सुबह 6:30 बजे** से दूरदर्शन नेटवर्क पर।

ARBiT
it happens here...

Celebrating Freedom

Independence Day in India marks the country's freedom from British colonial rule in 1947. It is a day of pride, patriotism, and reflection, observed with flag hoisting ceremonies, cultural programs, and tributes to national heroes. The Prime Minister addresses the nation from the Red Fort in Delhi, recalling the sacrifices of freedom fighters and highlighting national progress. Schools, institutions, and communities across the country participate in celebrations. This day not only commemorates India's hard-won independence but also inspires citizens to uphold the values of democracy, unity, and diversity that define the nation.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
15 August 2025
A-B

#SHRI KARTAR SINGH SARABHA

In The Land Of Legends-The Tenth Legend of August

"If I had more lives than one, it would have been a great honour to me to sacrifice each of them for my country."

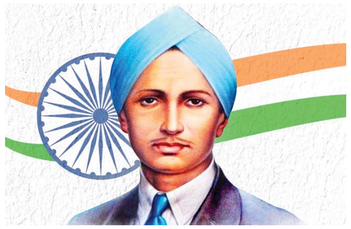

As we celebrate our nation's birthday month, we honour the legacy of a fearless youth whose sacrifice continues to inspire, and whose memory burns brighter with each passing generation. Today, we highlight Shri Kartar Singh Sarabha, a gifted revolutionary who laid down his life at just 19 for the cause of India's freedom.

Early Life and Awakening

Born on 24 May 1896 in Sarabha village near Ludhiana, Kartar Singh Sarabha was raised by his grandfather after the early death of his parents. In 1912, at the age of 15, he traveled to San Francisco seeking higher education. There, he encountered the harsh realities of racial discrimination against Indians, a stirring injustice that ignited his patriotism.

Rise in the Ghadar Movement

In 1913, Sarabha joined the Ghadar Party, founded in California to overthrow British rule through armed rebellion. He played a key role in editing and publishing the Punjabi edition of Ghadar, the party's revolutionary newspaper, written in multiple languages to galvanize Indians worldwide.

The Plan and the Betrayal

When World War I broke out in 1914, the Ghadar Party saw an opportunity. Kartar Singh returned to India and attempted to incite a mutiny, organizing Indian soldiers in multiple cantonments. However, a British infiltrator uncovered the plan, leading to arrests and the eventual collapse of the rebellion.

Martyrdom at Nineteen

Arrested and tried in the Lahore Conspiracy Case, Sarabha refused to recant or seek mercy. He famously declared:

"Why should I? If I had more lives than one, it would have been a great honour to me to sacrifice each of them for my country." Despite his youth, he stood proud and defiant in court, a remarkable display of conviction. He was executed on 16 November 1915 at Lahore Central Jail, still only 19 years old. He faced death with courage, gaining weight even in prison as a sign of his resilience and fortitude.

Legacy and Reverence

Sarabha's influence extended far beyond his years. Bhagat Singh, one of India's most iconic revolutionaries, considered him his hero, carrying Sarabha's photograph in his pocket throughout his life.

Over the decades, Punjab and the nation have paid tribute through memorials and development initiatives. The state has taken steps to honour his memory, including funding for a sports club and renovating his ancestral home in Sarabha village.

Shaheed Kartar Singh Sarabha stands as one of the youngest and most profound martyrs in India's freedom struggle. At just 19, he embodied unwavering bravery, boundless idealism, and visionary leadership. His story is a solemn reminder that true heroism knows no age, and that sometimes, the greatest legacy is born out of the briefest of lives.

Jinnah betrayed Balochistan

Kalat held a unique position due to the Treaty of 1876. This agreement granted Kalat internal autonomy, free from British interference, placing it in category B alongside Sikkim and Bhutan, unlike other Indian princely states. Therefore, Kalat was not obligated to join either India or Pakistan and was not a member of The Chamber of Princely States. Therefore, Khan Mir Ahmed Yar Khan, also known as Khan of Kalat, its last ruler, opted for independence.

KHAN OF KALAT (RIGHT) WITH JINNAH (LEFT).

Ahmad Yar Khan.

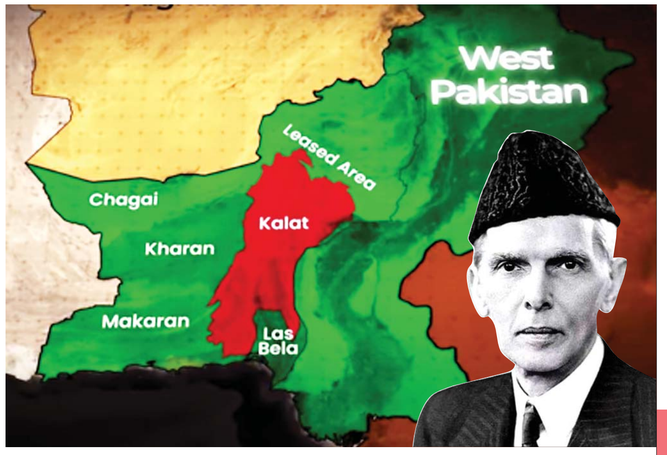

● Kshema Jatuhkarna

The history of Balochistan remains a poignant and overlooked chapter. While Pakistan and India celebrated their respective Independence Days on August 14 and 15, the Balochs could only sigh and wonder if they would ever taste the same freedom.

But the militancy-hit region was once free, though only for 227 days. The short-lived freedom was a result of their leader's short-sightedness, the cunning of the British and the betrayal by Muhammad Ali Jinnah, the founder of Pakistan and leader of the Muslim League.

Let's turn the pages of history and find out how Kalat, a princely state in what is now Balochistan, gained and lost its freedom and was 'forced' into accession by Pakistan.

#LOST INDEPENDENCE

H.H. Mir Ahmad Yar Khan, the Khan of Kalat with Sir Norman Cater, A.G.G., Balochistan, and other officials.

The Founder with Khan of Kalat, Ahmad Yar Khan and British friends.

A freedom that did not happen

At the dawn of India's Independence in 1947, the region now known as Balochistan was partitioned into four princely states: Kalat, Kharan, Las Bela, and Makaran. These states were presented with three options: merge with India, join Pakistan, or maintain their independence. Under the influence of Muhammad Ali Jinnah, Kharan, Las Bela, and Makaran chose to become part of Pakistan.

Kalat, however, held a unique position due to the Treaty of 1876. This agreement granted Kalat internal autonomy, free from British interference, placing it in category B alongside Sikkim and Bhutan, unlike other Indian princely states. Therefore, Kalat was not obligated to join either India or Pakistan and was not a member of The Chamber of Princely States. Therefore, Khan Mir Ahmed Yar Khan, also known as Khan of Kalat, its last ruler, opted for independence.

He made a monumental mistake, at this point, trusting Jinnah completely, in 1946, Khan of Kalat appointed him as his legal advisor to represent his case before the British Crown, a move that would prove costly to him and his country.

On August 4, 1947, a meeting was convened in Delhi, attended by Lord Mountbatten, India's last viceroy, Khan of Kalat, Chief Minister of Kalat, Muhammad Ali Jinnah, and Jawaharlal Nehru. In this meeting, Jinnah supported Khan of Kalat's decision for independence. As a result, it was agreed that Kalat would be independent from August 5, 1947, and Kharan and Las Bela were instructed to merge with Kalat to form a complete Balochistan, on Jinnah's insistence.

On August 11, 1947, a treaty was signed between Kalat and the Muslim League, recognising Kalat as an independent state, and promising that the Muslim League would respect Balochistan's independence.

On August 15, 1947, the same day India gained independence, Kalat also declared its independence. The traditional flag was hoisted, and a khutbah (Islamic sermon) was read in the name of the Khan of Kalat as an independent ruler.

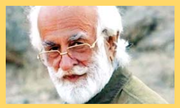

Nawab Akbar Khan Bugti.

Anwar-Ul-Haq Kakar.

13th Beglar Begi.

ALL INDIA RADIO'S ANNOUNCEMENT AND KHAN'S SURRENDER

At the same time, however, Khan desperately requested Indian authorities and the Afghan king for help, but with no success. On March 27, 1948, the All India Radio quoted VP Menon, Secretary of the Department of States, as saying that the Khan of Kalat had approached India for accession but New Delhi was not in a position to do anything.

The statement was later contradicted by then Home Minister Sardar Patel and then by Prime Minister Jawaharlal Nehru. By then, Khan had yielded. On March 26, the Pakistan Army moved into the Baloch coastal region of Pasni, Jiwani and Turbat. Khan had no option but to agree to Jinnah's terms.

Khan also had to reject VP Menon's claim of seeking support from India and on the same day, he announced the merger of Kalat with Pakistan. Thus, after a brief period of independence, 227 days in all, Kalat became a part of Pakistan. Khan defined the matter of signing the merger document as a 'dictate of history.'

"I confess, I knew I was exceeding the scope of my mandate... but had I not taken the immediate step of signing Kalat's merger, the British Agent to the Governor-General could have played havoc by leading Pakistan into a fratricide war against the Baluches," Khan said, according to Taj Mohammad Breseeg's book.

JINNAH'S BETRAYAL

The Khan of Kalat expected the territories acquired by Britain through treaties in the late 19th century to be returned after 1947. Despite meetings with Mountbatten and recognition of Kalat's status as an independent sovereign state, the British issued a memorandum on September 12, stating that the Khan of Kalat was not in a position to undertake the international responsibilities of an independent state.

This was just what Pakistan under Jinnah needed to force the merger of Kalat.

In October 1947, when the Khan of Kalat visited Pakistan, he was received like the King of Balochistan by thousands of Baloch people in Karachi. However, contrary to diplomatic tradition, he was not received by the governor general or by the prime minister of Pakistan, signalling a change in Pakistan's intentions.

In his book 'Baloch Nationalism: Its Origin and Development up to 1980,' Taj Mohammad Breseeg mentions the meeting between Jinnah and Khan, wherein the Pakistani PM advised the latter to expedite the merger with Islamabad.

Khan refused Jinnah's demand and said, "As Baluchistan is a land of numerous tribes and the people there must be consulted in the affairs before any decision. I take, according to the common tribal convention, no decision, which can be binding upon them unless they are taken into confidence by their Khan." Following Jinnah's proposal on Kalat's merger, the Khan of Kalat summoned the legislature's meeting, in which both houses of its

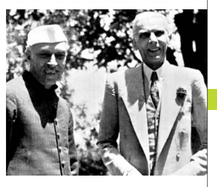

Parliament not only unanimously opposed the merger proposal but also argued that it was against the spirit of the earlier agreement.

But the pressure was building up. Realising the gravity of the situation, Khan instructed his commander-in-chief, Brigadier General Purves, to reorganise the forces and arrange arms and ammunition. In December 1947, General Purves approached the Commonwealth Relations Office and the Ministry of Supply in London for the supply of arms, but the British refused his demand, saying Kalat wouldn't get any military support without Pakistan government's approval.

Khan also tried to rally the support of the Baloch sardars (leaders), but barring two, no one sided with him.

When Jinnah saw that Khan was only buying time, he announced the separation of Kharan, Las Bela, and Mekran regions on March 18, 1948. This left Kalat as an island, notes Dushka H Saiyid in his book 'The Accession of Kalat: Myth And Reality.' Many Baloch sardars were willing to side with Pakistan, leaving Khan helpless.

INSURGENCY AND STRUGGLE FOR SOVEREIGNTY

The forceful integration of Kalat into Pakistan sowed the seeds of discontent and resistance among the Baloch people. Many Baloch nationalists viewed the annexation as a betrayal of their autonomy and an infringement upon their cultural identity. They rose in defiance under the leadership of Prince Abdul Karim, the brother of Khan of Kalat, in 1948. But this insurgency was suppressed by the Pakistani army and Prince Karim was arrested. This uprising was again seen in 1958, 1962, and the early 70s, but the Pakistan state managed to suppress the resistance.

In 2005, the Baloch movement again gained steam after Nawab Akbar Khan Bugti, Pakistan's former defence minister and Balochistan's former governor, took up arms against the Pakistani state. The reason, he demanded 15 things from the government of Pakistan, which included more control over the natural resources of Balochistan, which eventually put him at odds with the powerful Pakistani Army.

The next year, Bugti was assassinated. Despite his scandalous politics, Nawab Akbar Khan Bugti is the most talked-about person in Baloch society. With his twirling moustache, keenly trimmed beard, over six-feet-tall stature, candor, bravery, unbending backbone and uncompromising pride, he epitomized a model Baloch character. Ask anyone in Balochistan, they tell you he was the truest Baloch ever, even if they are ignorant of his 60-year-long politics.

He was the eldest son of Nawab Mehrab Khan Bugti and grandson of Sir Shahbaz Khan Bugti. His father named him Akbar, but, after the incorporation of his grandfather's name, he was called Nawab Akbar Shahbaz Khan Bugti.

His father died in 1939, and he became the chief of his tribe when he was only 12. Due to his young age, the British Political Agent assigned his half-uncle, who Bugti believed poisoned his father, as the regent and sent him as a ward to famous educationists Allama I.I. Qazi and his German wife Elsa Qazi. General Pervez Musharraf, Pakistan's then-military ruler, was suspected to be behind Bugti's assassination. A few days after Bugti's death, Musharraf himself nearly got killed in a rocket attack, orchestrated in retaliation for the assassination of the Baloch leader.

BALOCHISTAN – THEN AND NOW

Once a proud sovereign state, Balochistan is now the most-neglected and poverty-ridden province of Pakistan. Despite being the largest province and rich in minerals, Balochistan accounts for nearly 4 per cent of Pakistan's economy. Being incapable of itself utilising the potential of the region, Pakistan entrusted its 'Iron Brother' China to mine the resources in Balochistan. But the coming of the Chinese has further fuelled tensions in the region. There have been numerous attacks on Chinese people living and working in the port city of Gwadar by Baloch militants.

The port city of Gwadar is being linked to China's Xinjiang province as part of the China-Pakistan Economic Corridor, or CPEC. Balochs fear that the wave of Chinese investment will bring about demographic changes in their region, turning them into a minority group in their own province.

But Pakistan knows the game of optics well. Recently, Anwarul Haq Kakar, a leader from Balochistan, was sworn in as Pakistan's caretaker prime minister. The idea was to project him as a representative of the Balochistan region. However, Kakar is no Bugti. He is a Pashtun, not even a Baloch. On top of that, he is considered close to Pakistan's powerful military leadership.

Even after 75 years of its merger with Pakistan, Balochistan continues to be neglected. Political instability and militancy only continue to add to the region's misery.

The Bangladesh Impact

In the 1970s, the Baloch were emboldened by the independence of Bangladesh from Pakistan and raised demands for greater autonomy. But Zulfikar Ali Bhutto refused, sparking massive protests and forcing the then prime minister to dismiss the Akbar Khan Bugti provincial government in Balochistan in 1973. Pakistan launched a large-scale operation to suppress the protests, sparking an armed uprising that saw thousands of armed tribesmen fight against the Pakistani troops. This lasted four years until Bhutto was deposed by General Zia-ul-Haq. The Baloch were granted an amnesty and the Pakistani troops were pulled from Balochistan. The fifth conflict began in the mid-2000s provoked by the rape of a woman doctor in a Baloch town allegedly by military personnel. The conflict has worsened in the past few years with deadly attacks on security personnel and infrastructure projects. But there has been no sign of a Pakistan government agreeing to the Baloch demands.

The struggle continues.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SADHANA GARG

Content Heart Happy Stomach Silly Rabbit Cafe

There are many who escape to Silly Rabbit Cafe, cafe cum bar lounge with heads bent over laptops and freshly brewed coffee!

Silly Rabbit Cafe must be the most instagrammable joint in town. And with good reason.

The six months new cafe, with a capacity of 60 packs, is a place that not only reflects the pleasing personality of its owners but also allows you to unwind and wallow in Victorian luxury. It goes beyond food and drinks. It offers an experiential outing in a curated ambience of slow pace and comfort.

The crowds inside, the cheerful laughter and the buzzing conversation around tables is proof enough of its popularity.

"It's just not food and drinks or the service but I love it to bits, the minute detailing that is gone into designing it and its aesthetically done up interiors which makes my world even though it may, for a short while, seem perfect," says a 30-something digital creator. She is not alone. There are many who escape to this resto, cafe cum bar lounge with heads bent over laptops and freshly brewed coffee by the side.

What makes this place different from any other cafe is its luxurious interiors that transport you to a bygone era. The happy blend of chic decor and gastronomic adventure in the daylight is just what most of us need. In these hurried and harrowed times!

So, even if you are not a coffee person and the 12 different kinds of coffee do not move you, then, there are great soups and plated hors d'oeuvres to satisfy your hunger pangs. The Mushroom Cappuccino soup, creamy with a frothy milk topping, combines an earthy taste. For those who belong to the green gold club, there is enough to choose from unlike any other cafe.

Tadka Dahi Sandwich, Silken Tofu, Avocado and Beets Salad or the Classic Avocado Toast with Hummus, all good to go for a leisurely yet healthy lunch. More importantly, one doesn't get the feel as if the food has been pulled out from Noah's Arc. For the omnivores, Smoked Keema Pizza is a real treat. In fact, one guest not only repeats it but comes everyday to dig his teeth into the soft fresh keema paired with gooey cheese on a crispy thin crust. Delicious and fresh like most other dishes, they seemed to have got it all right. Add to this, the Mutton Kheema Pao, Chicken nuggets, Grilled Mutton Burger, Avo Chicken Burger, served with Avocado or Chicken Tortellini. All practically, meal- in- a dish making for an elevated dinning time. For the Keto queens or the kings, there are enough smoothies and salads to give healthy vibes. Also, if food is the way to the heart, then you will fall in love bite by bite.

Now for the name, why Silly Rabbit? It's playful, fun loving, a cafe where during meals you live your best life, collecting moments, enjoying a carefully curated menu. A content heart and a happy stomach!

THE WALL

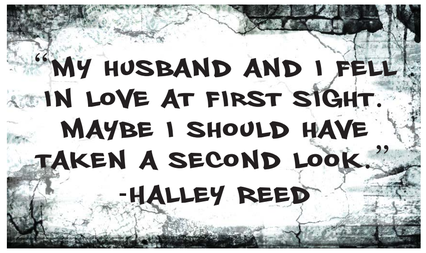

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

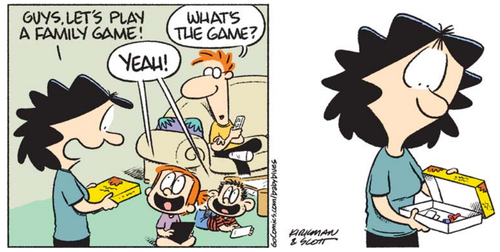

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

स्वाधीनता दिवस समारोह आज

टोंक। स्वाधीनता दिवस का जिला स्तरीय समारोह शुक्रवार को पुलिस लाइन ग्राउण्ड में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि जलदाय एवं भूजल मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी ध्वजारोहण करेंगे। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि 15 अगस्त को सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि पुलिस लाइन ग्राउण्ड में ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद सलामी एवं राष्ट्रधुन, परेड निरीक्षण, मार्च पास्ट, राज्यपाल महोदय का संदेश पठन, वीरांगनाओं का सम्मान, पुरस्कार वितरण, सांस्कृतिक झलकियां, योगा ड्रिल, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दोपहर 1:30 बजे पुलिस लाइन ग्राउण्ड में पब्लिक बनाम प्रशासन के मध्य क्रिकेट मैच खेला जाएगा।

'तिरंगा' यात्रा निकाली

जहाजपुर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उपखंड प्रशासन की ओर से 14 अगस्त गुरुवार को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत पुलिस जवानों ने रैली निकाली

टोंक। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप 15 अगस्त तक जिलेभर में विभिन्न देशभक्ति आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी के तहत गुरुवार को जिला मुख्यालय पर भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन से शुरू हुई बाइक रैली में पुलिस के जवानों ने भाग लिया।

> ■ हर घर तिरंगा अभियान उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को जन-जन तक पहुंचाना है

इसके बाद पुलिस के जवानों ने तिरंगे के साथ सेल्फी ली। इस दौरान सीईओ परशुराम धानका, कोषाधिकारी हरीश लालावत, तहसीलदार मानवेंद्र सिंह समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

डीएसपी राजेश विद्यार्थी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही, इस अवसर पर हम देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करें।

टोंक में हर घर तिरंगा अभियान के तहत जवानों ने तिरंगा रैली निकाली।

सीएम ने दिव्यांश को दिया सर्वश्रेष्ठ सरपंच अवार्ड

जयपुर/जोधपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस पर मेहरानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय एट-होम समारोह में आवां (टोंक) सरपंच दिव्यांश एम.भारद्वाज को राज्य के सर्वश्रेष्ठ सरपंच का अवार्ड दिया। दिव्यांश राज्य के 41 जिलों की 11 हज़ार 341 पंचायतों में सम्मान पाने वाले एक मात्र सरपंच हैं।

स्विट्जरलैंड से एमबीए करके सरपंच बने दिव्यांश ने आवां में जो विकास कराया, वह राज्य में अव्वल हैं। आवां मॉडल को महाराष्ट्र अपना रहा हैं। आवां में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग एसी व इंटरनेट युक्त लाइब्रेरी, दो हैरिटेज श्मशान घाट, हैरिटेज पंचायत घर, बैंक्वेट हॉल युक्त मैरिज गार्डन और राजकलेश्वर तीर्थ पर ड्रेसिंग रूम युक्त घाट शायद ही देश के किसी गांव में हो। छात्रों को हवाई यात्रा और बालिका दिवस पर एक छात्रा को सरपंच बनाने जैसे अभूतपूर्व कार्यों के आधार पर ही दिव्यांश को यह सम्मान मिला।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एट-होम समारोह में आवां (टोंक) सरपंच दिव्यांश एम.भारद्वाज को सर्वश्रेष्ठ सरपंच का अवार्ड दिया।

'भिवाड़ी से कजारिया तक 6 लेन रोड का होगा निर्माण'

भिवाड़ी उद्योग मेला व प्रदर्शनी का उद्घाटन उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ व तिजारा विधायक महंत योगी बालक नाथ ने किया।

भिवाडी। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर अठासर है, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान औद्योगिक और निवेश क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह बात उन्होंने गुरुवार को जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, भिवाडी तथा लघु उद्योग भारती, भिवाडी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 19, 20 एवं 21 सितम्बर 2025 को भिवाडी में राष्ट्रीय स्तर का इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर (उद्योग मेला एवं प्रदर्शनी) का कर्टेन रेजर एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, पथरेड़ी (भिवाडी) में उद्घाटन के अवसर पर कही। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी द्वारा रखे प्रस्ताव पर भिवाड़ी से कजारिया तक लंबे चार-लेन मार्ग को छह-लेन में बदलने की घोषणा की ओर उन्होंने भिवाड़ी को इंडस्ट्रियल गेटवे टू राजस्थान बताते हुए कहा कि उम्मीद, दृढ संकल्प एवं अवसर से मिलकर ही उद्योग का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि भिवाड़ी और राजस्थान के औद्योगिक केंद्र प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के सपनों को साकार कर रहे हैं। यह स्थानीय एमएस एम ई सेक्टर, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगा।

ध्वजा रोहण आज: किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा जिले के नाम बदले जाने विवाद के बीच किशनगढ़ बास के लोगों के लिए खुशखबरी की खबर आई है।वह है खैरथल तिजारा जिला बनाए जाने के बाद से जिला मुख्यालय पर मनाए जाने लगा किशनगढ़ बास का स्वतंत्रता दिवस फिर से 15 अगस्त को किशनगढ़ बास के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान पर मनाया जाएगा।

आम-सूचना सूरज कंवर पत्नी श्री उम्मेद सिंह, उम्र-73 वर्ष, निवासी-90, करणी विहार-बी, बढ़ारणा, जयपुर, हाल निवासी-गांव लंगोड, जिला-नागोर (राजस्थान) ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना शिव विहार स्थित बगरू कलाँ, जयपुर के भूखण्ड संख्या-82 क्षेत्रफल 133.3 वर्गगज के डुप्लीकेट दस्तावेज हेतु आवेदन किया, साथ ही भूखण्ड के खरीद सम्बन्धि दस्तावेजात, मूल दस्तावेजात की फोटो प्रतियाँ, शपथ पत्र, बन्ध पत्र व पुलिस रपट समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये गये तथा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेजात हेतु समिति को कहा गया है। यदि उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तवेजात के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेज जारी कर दिये जायेगे, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

PUBLIC NOTICE
Bajaj Auto Credit Limited, having its registered office at Mumbai- Pune Road, Akurdi, Pune-411035, hereby informs its customers and concerned, that its office located at Bajaj Auto credit Limited Katewa Tower, 3rd Floor, B-91, Gautam Marg, Vaishali Nagar Jaipur-302021 will be shifting to new premises which is located at Bajaj Auto Ltd. "Eminence Tower- 3rd and 4th floor Girmar Colony, Gandhi path, Vaishali Nagar Jaipur- 302021" with effect from 20 November 2025.
Date: 14-08-2025
Place: Jaipur

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा / उपा./ जोन-14/2025/डी-2411 दिनांक 14/8/20
प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन
आवेदक श्री अजय गंगवाल पुत्र श्री अनुप चंद गंगवाल द्वारा निजी खातेदारी की योजना साउथ ग्रीन्स, ग्राम मानपुर नांगल्या तह सांगानेर के भूखण्ड संख्या आर.एफ.-1 क्षेत्रफल 1882.09 वर्गगज का आवासीय फ्लैट प्रयोजनार्थ से होटल (पर्यटन इकाई) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम 2010 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 के क्रम में भू-उपयोग परिवर्तन आवासीय फ्लैट प्रयोजनार्थ से होटल (पर्यटन इकाई) किया जाना प्रस्तावित है। यदि उक्त आवेदन/भू-उपयोग परिवर्तन पर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस की अविध में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जोन-14, जविप्रा में अपने दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त कालावधि में आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित रहे। यह विज्ञप्ति आज दिनांक 14/8/2025 को जारी की गई है।
उपायुक्त जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं प्रतिभा वशिष्ट पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा निवासी 76-ए, सहकार नगर खातीपुरा, रोड, झोटवाड़ा, जयपुर मैंने मेरा नाम प्रतिभा शर्मा से बदलकर प्रतिभा वशिष्ट रख लिया है भविष्य मुझे प्रतिभा वशिष्ठ के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं आभा सिंह राठौड़ पुत्री IC-38179 स्व. कैप्टन राजेन्द्र सिंह राठौड़ हूं। मेरे पिता की सर्विसबुक में गलती से मेरा नाम आभा राठौड़, जन्मतिथि 22.8.1986 दर्ज है। जबकि सही नाम आभा सिंह राठौड़ जन्मतिति 22.8.1987 है। भविष्य में मुझे एफिडेविट (862) 13.8.2025 के आधार पर सही नाम, जन्मतिथि से जाना जाए।

मैंने अपना नाम ज्योति खटवानी से बदलकर ज्योति मामनानी पत्नी विजय मामनानी कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जायेगा, पता ई-107, स्वर्णकार कॉलोनी, नेहरू नगर, जयपुर, 302016

मैंने अपना नाम जितेन्द्र कुमार कलवानी से बदलकर जितेन्द्र कलवानी कर लिया है, जितेन्द्र कलवानी पुत्र श्री रेवानंद कलवानी निवासी-55, राम विहार, कुण्ड रोड़, जयसिंहपुरा खोर, जयपुर, राजस्थान, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

I have changed my name from Manish Kumar Daulani to Manish Daulani for all purposes R/o K E 12 Tiwari ji ka hatha Near panchayati dharamshala Station road Jaipur

मैंने अपना नाम HASHRA DEVI से बदलकर HARSHA DEVI धर्मपत्नी MUKESH BHAIPATEL निवासी G-2, 693-B, फ्रन्टीयर कॉलोनी आदरश नगर, चावला हॉस्पिटल, जवाहर नगर, जयपुर राजस्थान 302004 रख लिया है भविष्य में मुझे HARSHA DEVI के नामसे जाना पहचाना जावें।

अन्तिम अरदास

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय **सरदार राजेन्द्र सिंह जी** का 11.08.2025 को अकाल चलाना हो गया है। जिनकी अन्तिम अरदास 15.08.2025 शुक्रवार को सांय 04:00 से 05:00 बजे जवाहर नगर गुरूद्वारा, मामा का होटल, जयपुर में होगी।
शोकाकुल- ज्ञान कौर (धर्मपत्नी), गुरजीत सिंह-अमनदीप कौर (पुत्र-पुत्रवधु), सर्वजीत सिंह (पुत्र), सुरजीत सिंह (भाई), जसप्रीत कौर, गुरनेक सिंह (पौत्री, पौत्र) एवं समस्त गुरदत्ता परिवार।
9829458728, 8385944994

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे बड़े भैया रमेशचंद सैनी पुत्र स्व. श्री मांगीलाल सैनी का स्वर्गवास 13.08.2025 को हो गया. तीये की बैठक शुक्रवार, 15.08.2025 को सायं 4 से 5 बजे तक निज निवास : C-39, कल्याण नगर, NBC स्टाफ कॉलोनी जयपुर पर होगी।
शोकाकुल : मालती सैनी (पत्नी), गंगादेवी (माताजी), जगदीश (काकाजी), शान्तनु (पुत्र), गोपाल, ललित, कैलाश, संजय (भाई), वरुण, हर्षित, आदित्य, प्रिंस, सियाराम (पुत्र) एवं समस्त जैतपुरिया परिवार।

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री ओमप्रकाश जी गुप्ता (ठठेरा) का स्वर्गवास 14.08.2025 को हो गया है। तीये की बैठक 16.08.2025 को सायं 4 से 5 बजे तक कल्याण गार्डन विजयपुरा रोड आगरा रोड जयपुर में होगी।
शोकाकुल: महावीर, शंकरलाल, गोर्वधन (भाई) बजरंग, जगदीश (भतीजे) मनोज, दिलीप, विजय (पुत्र) योगेश, रवि, हेमंत, सौम्य, काव्य, भव्य, मानस, रुदव, ओजस (पौत्र) एवं समस्त टिकर (भालिया) परिवार 9571830027

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांकः जविप्रा/उपा./जोन-09/2025/डी-3128
आम सूचना दिनांकः06.08.2025
निजी खातेदारी की योजना बैंक कॉलोनी विस्तार के भूखण्ड संख्या 30ए क्षेत्रफल 200.00 व.ग की लीजडीड दिनांक 10.04.13 को श्रीमती नीतु जैन पत्नी श्री सर्वेश कुमार जैन एवं श्रीमती सुमन जैन पत्नी श्री सज्जन कुमार बोठिया के नाम से जारी किया गया है। तत्पश्चात् उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पुत्र दिनांक 14.07.2017 को श्रीमती नीतु जैन पत्नी श्री सर्वेश कुमार जैन एवं श्रीमती सुमन जैन पत्नी श्री सज्जन कुमार बोठिया द्वारा श्री आशीष सराफ पुत्र के.सी. सराफ को करा दिया गया। तत्पश्चात् उत्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 02.09.2019 को श्री आशीष सराफ पुत्र के.सी. सराफ द्वारा श्रीमती हेमलता सैनी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार सैनी को कर दिया गया। तत्पश्चात् उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 12.06.2025 को श्रीमती हेमलता सैनी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार सैनी द्वारा श्रीमती विमला शर्मा पत्नी श्री प्रदीप कुमार पंचौली एवं श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री मुकेश पंचौली को कर दिया गया। आवेदकगण द्वारा लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड हेतु आवेदन किया गया है।
अतः निजी खातेदारी की योजना बैंक कॉलोनी विस्तार को भूखण्ड संख्या 30ए का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड जारी किये जाने के सम्बंध, मे कार्यवाही की जानी है। इस सम्बंध में किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस कि अधीन प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त भूखण्ड का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड जारी किये जाने की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-09, जविप्रा, जयपुर

आम-सूचना मेरे अभिभाष्य जसवन्त सिंह पुत्र स्व. श्री नारायण सिंह निवासी-मुकाम पोस्ट नादं, तहसील पुष्कर, जिला अजमेर राज. क्र पुत्र देवराज सिंह राठौड व पुत्रवधु दीपशिखा शेखावत जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है। मेरे अभिभाष्य द्वारा अपने पुत्र व पुत्रवधु से अपने समस्त रिश्ते खत्म कर दिये गये है एवं अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इनसे आज के बाद भविष्य मे जो भी संव्यवहार करेगा उसके लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा।
जयपुर (राकेश कुमार शर्मा) एडवोकेट
दिनांक 14/08/2025 मो.-9414518839

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरी अभिभाष्य स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में श्री अंशुल जैन पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन एवं श्री विनीत कुमार जैन पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन ने एक मकान नम्बर 85/357, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान को खरीद करने के लिये ऋण लेने हेतु आवेदन किया है। यह कि वर्तमान सम्पत्ति मालिक श्री सेतु मित्तल पुत्र स्वर्गीय श्री योगेन्द्र मित्तल से उक्त सम्पत्ति का एक असल आवंटन पत्र क्रमांक 184 दिनांकित 21.04.1995 गुम गया है, जिसकी गुमशुदगी की रिपार्ट एल.आर. नम्बर 2837064/2025 दिनांक 21.07.2025 को दर्ज करा दी गई है, मिलेन पर सूचित करें तथा उक्त मकान के स्वामित्व एवं मालिकाना हक के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मय दस्तावेज सम्पर्क करें, अन्यथा बाद गुजरने मियाद सभी आपत्तियां शून्य, अभावी एवं अमान्य समझी जावेंगी।
दिनांक: 14.08.2025 SHASHANK TIKKIWAL, Advocate
स्थानः जयपुर Mobile: 9166400777

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारा पुत्र गांधी प्रकाश व हमारी पुत्रवधु अनिता निवासी नेहरू कोलोनी, सांभर लेक हमारे अनुशासन व नियंत्रण मे नही है तथा इनका कृत्य व व्यवहार हमारे प्रति सही नही है वह हमारे साथ लडाई झगडा व गाली गलोच करते है और मरने मारने व झुठे मुकदमें करने की धमकियां देते है और हमारी चल अचल सम्पत्ति को लेने हेतु हम पर नाजायज दबाव बनाते है जिससे परेशान होकर हम हमारी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से हमारे पुत्र गांधी प्रकाश व हमारी पुत्रवधु अनिता को उनके समस्त हक, अधिकारों से वंचित / बेदखल करते है तथा सामाजिक रूप से भी इनको हमसे अलग समझा जावे हमारा हमारे पुत्र गांधी प्रकाश व पुत्रवधु अनिता से कोई सम्बन्ध सरोकार नही रहा है, हमारी प्रतिष्ठा के आधार पर किसी व्यक्ति से कोई लेनदेन व व्यवहार व किसी प्रकार का असामाजिक कृत्य कारित करते है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी स्वंय की होगी। हमारी कोई जिम्मेदारी नही होगी, सूचित रहें।
गोपाल लाल पुत्र श्री अर्जुनलाल व भूरी पत्नि गोपाल लाल जाति रैगर निवासी नेहरू कोलोनी, सांभर लेक तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज.)
मो 9667670073

कार्यालय नगरपालिका मंडल मनोहरपुर जिला जयपुर
E-mail : npmanoharpur@rajasthan.gov.in
क्रमांक : न.पा.मनो./भूमि/2025-26/1354 दिनांक : 6.8.2025
प्रारूप-10
(नियम 6(7) देखिये)
लोक सूचना
आवेदनकर्ता श्री रामकिशोर अग्रवाल पुत्र श्री सूरज मल अग्रवाल, निवासी-वार्ड नं. 20 हलवाइयों का मौहल्ला मनोहरपुर, तह. शाहपुरा जयपुर (राज.), ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात्

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
जिला जयपुर तहसील शाहपुरा	मनोहरपुर	1440/3	200 वर्गमीटर	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझ जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गई है।
प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका मनोहरपुर

कार्यालय पंचायत समिति भुसावर, भरतपुर (राज.)
पंचायत समिति करौली की ओर से सभी नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
खुले में कचरा ना फेके, बारिश में यह कचरा बहकर जल निकासी को अवरूद्ध करता है।
राशन कार्ड पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा में लाभ
भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री
सफेदी देवी प्रधान
बहादुर सिंह कोली विधायक भरतपुर
गिर्राज सिंह बुनकर विकास अधिकारी

विवादकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
[illegible]

पूर्व आम सूचना खण्डन मय आम सूचना
मेरे अभिभाष्य श्री पवन कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री भंवर लाल शर्मा निवासी फ्लेट नं0 टी-284 संगोली गार्डन,कनकपुरा,जयपुर राजस्थान (मो0 9829061552) के पुत्र मारूत शर्मा के तत्समय व्यवहार एवं आचरण एवं उत्पन्न परिस्थितियों के कारण व्यथित व मजबूर होकर मेरे अभिभाष्य ने अधिवक्ता श्री हितेश कुमार सिंहल के जरिये उक्त पुत्र को सम्पत्ति से बेदखल किये जाने आदि की आम सूचना का प्रकाशन समाचार पत्र दैनिक भास्कर में दिनांक 10.04.2021 ईस्वी को कराया गया था जिसका मेरे अभिभाष्य के कथना व निर्देशानुसार खण्डन किये जाने के साथ ही उसे अप्रभावी घोषित किया जाता है तथा इस सूचना के जरिये जाहिर किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का उक्त पुत्र मेरे व मेरी अभिभाष्य की धर्मपत्नी की सेवा सुश्रूषा कर रहा है और हिन्दू विधि व परम्परा अनुसार उक्त मारूत शर्मा मेरे व मेरे अभिभाष्य की धर्मपत्नी की सम्पत्तियों में वारिस होने के नाते कानूनन हक व अधिकार रखता है।
(N.S. "ADITYA-SHIVANSH"-R-1171/97)
RAJASTHAN HIGH COURT, JAIPUR
(N.S. "ADITYA SHIVANSH", ASSOCIATE, ADVOCATES & LAW CONSULTANTS)
दिनांक 15.08.2025 Mobile No. 9785105424

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6314 दिनांक-14/08/25
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या 232/11 (MIG-A) (एरिया 00.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन सुश्री कविता खोईवाल पुत्री स्व. श्री शान्तिलाल खोईवाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3563 दिनांक 02.11.2007 को जारी किया गया। सुश्री कविता खोईवाल के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 27.11.2008 को उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहा पंजीकृत करवाये गये। [illegible]
सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
दिनांक-15/08/25
जाहिर आम-सूचना [illegible] Shri Veer Teja Real Estate And Developers Pvt. Ltd [illegible]
सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं: 15427/2025
विषयः उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी-नाम (1) श्रीमती मंजुला रानी गुप्ता पत्नी स्व श्री इच्छाराम गुप्ता, उम्र 74 वर्ष, निवासी प्लॉट नंबर-9, बाईस गोदाम, नेहरू सहकार भवन के पीछे, जयपुर।
विवाद स्थानः
मृतक श्री इच्छाराम गुप्ता की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक : 15.09.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी / प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्री इच्छाराम गुप्ता पुत्र स्व. श्री रामप्रकाश गुप्ता, निवासी प्लॉट नंबर 9, बाईस गोदाम, नेहरू सहकार भवन के पीछे, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रिेशन प्रदान किया जावे।
अतः उक्त प्रार्थना पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 15 माह 09 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करे। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 13 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर प्रथम

विवेक विद्या निकेतन उ.मा.विद्यालय
आदर्श नगर, देवली रोड, टोंक
AIMS PUBLIC SCHOOL
Pre-School | Nursery to VIII | Day Care
विवेक पी.जी. महाविद्यालय टोंक (राज.)
BA | BCA | BSC | M.A. Geo. | M.Sc. Chem. | M.Sc. Botany | M.Sc. Physics. | M.Sc. Maths | PGDCA
Admission Open | Vehicle Facility Available
Principal | Pradeep Sharma Director

न्यायालय तहसीलदार तहसील चाकसू जिला जयपुर
क्रमांक/रीडर/2025/160 दिनांक 11-08-200
आपत्ति नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में प्रार्थी महेश मीणा पुत्र नैनुराम निवासी नांगलपूरण ने जरिये अभिभाषक एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपंजीकृत वसीयत दिनांक 21.02.2020) ग्राम नांगलपूरण तहसील चाकसू वर्तमान खाता संख्या 31, 33, 76, 90 एवं ग्राम बरखेडा के वर्तमान खाता संख्या 86 में अपनी सम्पूर्ण खातेदारी भूमि का वसीयतदाता गुल्ला पुत्र श्योनाथ जाति मीणा निवासी नांगलपूरण तहसील चाकसू द्वारा वसीयतगृहीता प्रार्थी महेश मीणा पुत्र नैनुराम निवासी नांगलपूरण के पक्ष में दिनांक 21.02.2020 के पुत्र श्योनाथ जाति मीणा निवासी नांगलपूरण तहसील निष्पादन के आधार पर नामान्तरकरण खुलवाने हेतु प्रार्थना पत्र जैरकार है, जिसके संबंध में प्रक्रिया न्यायालय में विचाराधीन चल रही है। अत: हर आम व खास एवं सम्पत्ति में हितबद्ध रखने वाले पक्षकार को सूचित किया जाता है कि इसमें यदि किसी को भी कोई उज्र या आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर इस न्यायालय में कार्य दिवस को व्यक्तिश: अथवा जरिये अभिभाषक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दस्तावेज प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी और विचाराधीन प्रकरण में निर्णय पारित कर पत्रावली निर्णित कर दी जावेगी। यह आपत्ति नोटिस आज दिनांक 11.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रांक से जारी किया गया है।
तहसीलदार प्रबंधक मजिस्ट्रेट, चाकसू जिला, जयपुर

"हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता"
79वां स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित
निम्न योजनाओं का लाभ उठाये :
➤ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ➤ श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना
➤ स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण ➤ पण्डित दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजना
➤ स्वामित्व योजना ➤ डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना
जिला परिषद, टोंक
हमारा सपना आपकी खुशहाली
"एक पेड - माँ के नाम"

कार्यालय नगर निगम जयपुर हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, जयपुर)
क्रमांकः एफ-29/आ.न.जोन./हैरि.ननिज/2025-26/260 दिनांक 11/08/25
क्रमांकः एफ-16( )/उपा.पशु.प्र.(सा.प्र)/हैरि.ननिज/2025-26/94 दिनांक 11/08/25
क्रमांकः एफ-16( )/उपा.पशु.प्र.(सा.प्र)/हैरि.ननिज/2025-26/100 दिनांक 14/08/25
ई-निविदा सूचना सूचना सं. 45 से 49/2025-26 तक
ई-निविदा सूचना उपायुक्त (पशु प्रबंधन) 04/2025-26
ई-निविदा सूचना उपायुक्त (पशु प्रबंधन) 05/2025-26
नगर निगम जयपुर हैरिटेज के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmcheritage.org.COM व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN NO:-JMC2526WSOB01175, JMC2526WSOB01176, JMC2526WSOB01177, JMC2526WSOB01179, JMC2526WSOB01180, JMC2526WSOB01181, JMC2526WSOB01191 पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/8236 आयुक्त नगर निगम जयपुर हैरिटेज

राजस्थान सरकार
श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमंत्री
श्री भजनलाल शर्मा माननीय मुख्यमंत्री
मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना
आवेदन आमंत्रित
निदेशालय महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर द्वारा RKCL के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं के लिए कंप्यूटर आधारित पाठ्यक्रमों का
नि:शुल्क प्रशिक्षण
RS-CIT आधारभूत कंप्यूटर प्रशिक्षण | RS-CFA GST, Tally आधारित वित्तीय लेखांकन प्रशिक्षण | RS-CSEP स्पोकन इंग्लिश एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रशिक्षण
योजना के तहत आवेदन www.myrkcl.com/wcd पर किया जा सकता है।
आवेदन की अंतिम तिथि 31-08-2025
योजना एवं चुनिंदा आईटी ज्ञान केन्द्र की जानकारी www.wcd.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है
निदेशालय महिला अधिकारिता
महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार
राजस्थान संवाद

FASTag

वार्षिक पास का शुभारंभ

सभी नॉन कमर्शियल वाहनों (कार/जीप/वैन) के लिए

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

फास्टैग वार्षिक पास के बारे में अधिक जानकारी

- यह केवल वाहन (VAHAN) डेटाबेस द्वारा सत्यापित निजी नॉन कमर्शियल कार/जीप/वैन के लिए है और अहस्तांतरणीय है।
- यह **15 अगस्त 2025** से केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तथा राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर मान्य है, अन्य राज्य राजमार्गों या स्थानीय निकायों या पार्किंग के लिए नियमित फास्टैग शुल्क लागू होंगे।
- **फास्टैग वार्षिक पास, खरीद की तिथि से एक वर्ष तक मुफ्त आवागमन या 200 टोल प्लाजा पार करने (जो भी पहले हो) की अनुमति देता है।**
- इसे केवल राजमार्गयात्रा ऐप या एनएचएआई की वेबसाइट द्वारा सक्रिय किया जा सकता है। एसएमएस संदेश पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे जाएंगे।
- **वार्षिक पास के शुल्क के रूप में रु. 3000 का भुगतान ऐप/वेबसाइट के माध्यम से किया जाना है। भुगतान की पुष्टि के दो घंटे के भीतर यह सक्रिय हो जाता है।**
- यदि वर्तमान फास्टैग वैध हो तथा वाहन की विंडस्क्रीन पर सही ढंग से चिपका हो तो नया फास्टैग खरीदने के जरूरत नहीं है।
- यदि प्रयोक्ता वार्षिक पास न लेना चाहें तो टोल शुल्क भुगतान के लिए वर्तमान फास्टैग का उपयोग जारी रख सकते हैं।
- **अधिक जानकारी के लिए राजमार्गयात्रा की वेबसाइट http://rajmargyatra.nhai.gov.in का अवलोकन करें।**

31.07.2025 तक राजस्थान में पात्र टोल प्लाजा

क्र. सं.	राजमार्ग का खण्ड	रा. रा.	टोल प्लाजा का नाम
1	किशनगढ़–अजमेर–ब्यावर	448 एवं 58	गेगल
			पिपलाज
2	किशनगढ़ – गुलाबपुरा	48	खेड़ी
3	निम्बी जोधा (लाडनूं के पास)–डेगाना–मेड़ता सिटी	458	बंथाडी
			तामडोली
4	लाम्बिया–रायपुर	458	लिलांबा
5	भीम–पारसोली–गुलाबपुरा	148D	पारा
6	बीकानेर – फलोदी	11	सालासर
			नोखरा
			खीरवा
7	खाजूवाला – पूगल	911A – 911	गंगाजली
			बरसलपुर
			सांवरा
8	रायसिंहनगर – पूगल	911	ठाकरी
			पटरोदा
9	आगरा – भरतपुर	21	कोराई
10	भरतपुर – महुआ	21	लुधावई
			अमोली
11	महुवा – जयपुर	21	सिकंदरा
			राजधोक
12	करौली – धौलपुर	11B	चिलचोंद
			कोंदार
13	ऊंचा नागला–धौलपुर	123	राजौराखुर्द
14	दौसा–लालसोट–कौथून	11A	टिटोली
			रबावता
15	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–9	NE 4	कुश्तला
			बोनली
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–6		भांडारेज
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–7		डूंगरपुर
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–8 और 9		बड़कापाड़ा और बड़कापाड़ा स्प्लिट
16	बांदीकुई – जयपुर स्पर से दिल्ली–वडोदरा	NE4C	भेड़ोली
			खुरीकुर्द
			सुंदरपुरा
			गीला की नंगल
			बगराना
17	अमृतसर जामनगर आर्थिक गलियारा (संगरिया – रासीसर)	754A	16एमकेएस/3एनजीआर
			29एनडीआर/31एनडीआर
			जैतपुर
			मलकीसर
			उछारंगदेसर
			नोरंगदेसर
			देशनोक
18	श्रीगंगानगर–रायसिंहनगर	911	3एम
19	जयपुर रिंग रोड (दक्षिण)	148C	हिंगोनिया
			सीतारामपुरा
20	गुड़गांव–कोटपूतली–जयपुर	48	मनोहरपुर
			दौलतपुरा
			शाहजहांपुर
21	जयपुर – किशनगढ़	48	किशनगढ़
			ठिकरिया
22	जयपुर – टोंक – देवली	52	सोनवा
			बरखेड़ा
23	राजस्थान सीमा–फतेहपुर–सालासर	52/58	शोभासर
			धाधर
			लासेड़ी
24	जयपुर – रींगस	52	टाटियावास
25	रींगस–सीकर	52	अखेपुरा
26	सालासर–नागौर	58	हरीम्मा
			निम्भी जोधा
27	मनोहरपुर–दौसा	148	नेकावाला
28	फलोदी–जैसलमेर	11	लाठी
			रामदेवरा
29	बागुंडी–बाड़मेर	25	निम्बाणियों की ढाणी
30	बाड़मेर–सांचौर	68	हाथीतला
			बोर चरणन
31	जैसलमेर–बाड़मेर	68	कैर फकीर की ढाणी
			निम्बासर
32	मुनाबाब–सुंद्रा–मायलार–धनाना–असुतार–घोटारू–तनोट	70	सुंदरा
			गुंजनगढ़
			खुईयाला
33	गगरिया–बखासर और सता–गंधव	925/925A	गरडिया
			सिंहानिया
			डूंगरी
34	तनोट–रामगढ़–भादासर–जैसलमेर और भादासर (मोकल)–सरकारीतला पाकिस्तान सीमा	68/968	लानेला
			रामगढ़
			पारेवार
35	बर–बिलाड़ा–जोधपुर	25	बिराटिया कलां
			बीनावास
36	जोधपुर–पचपदरा	25	डोली
37	जोधपुर–पोकरण	125	जसनाथ नगर
			मोतीसर/खनौरी
			मोराणी/पोकरण
38	ब्यावर–पाली–पिंडवाड़ा	62/162/25	रायपुर
			इंद्रा नगर
			बिरामी
			उथमान
39	जोधपुर रिंग रोड–1	125 A	डांगियावास
			मानकलाओ
40	अमृतसर जामनगर आर्थिक गलियारा (रासीसर – राजस्थान/गुजरात सीमा)	754 A	पांचू
			बुंगरी
			लक्ष्मण नगर
			हनुमानसागर
			सिरमंडी
			खुड़ियाला
			देवगढ़
			मेघावास
			पटाऊ
			मूठली
			सांगाणा
			मोखूपुरा
41	कोटा–बारां	27	सिमलिया
	कोटा बाईपास		फतेहपुर
			सकतपुरा
			नयागांव
42	देवली–कोटा	52	किशोरपुरा
43	दरा–झालावाड़–तीनधार	52	बीरमंडी
44	झालावाड़ – राजस्थान/मध्य प्रदेश सीमा	52	मेथून
45	टोंक – सवाईमाधोपुर	552	गुमानपुरा
46	गुलाबपुरा – उनियारा	148D	पल्लाई
			कदीसाहेना
			लाल का खेड़ा
47	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–16	NE 4	चेचट
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–12		लाबान
			मंडावरा
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–13		जालिमपुरा
			कराड़िया
	दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज–14		बालापुरा
			गोपालपुरा
48	चित्तौड़गढ़–उदयपुर	48	नारायणपुरा
49	ग्रीनफील्ड उदयपुर बाईपास	48	डाकन कोटडा
50	उदयपुर–रतनपुर–शामलजी	48	खाण्डी ओबरी
51	गोमती चौराहा–उदयपुर	58	नेगड़िया
			मण्डावाड़ा
52	स्वरूपगंज–पिंडवाड़ा–उदयपुर	27	जसवन्तगढ़ (गोगुन्दा)
			मालेरा
53	गुलाबपुरा–चित्तौड़गढ़	48	लाम्बियां कलां
			जोजरो का खेड़ा
54	भीलवाड़ा – लाडपुरा	758	खाचरोल
55	चित्तौड़गढ़–कोटा	27	बस्सी
			आरोली
			धनेश्वर
56	राजसमंद–भीलवाड़ा	758	मुजरास
			रूपाखेड़ा
57	ब्यावर–गोमती	58	बगलिया
			बग्गर
58	अजमेर–नागौर	58	बड़ीघाटी
			बुटाटी
59	ब्यावर – आसींद	158	जसवन्तपुरा
60	बीकानेर – नागौर	62	परवा
			गोगेला
61	अलवर – नूंह	248A	बहला
	सूरतगढ़ – श्रीगंगानगर	62	6एमएल
62	राजगढ़ – पिलानी	709 Extn.	थिरपाली बड़ी
63	बालोतरा – सांडेराव	325	नरसाना
			बलाना
64	सांचौर–धनेरा–डीसा	168 A	छोटी विल्लोर
65	बाड़मेर–गागरिया	25E	असाड़ा की बेरी
66	जोधपुर–नागौर	62	टांकला
			नेत्रा
67	सवाई माधोपुर–श्योपुर	552 Extn.	दौलतपुरा
68	कोटा–दराह	52	मंडाना
69	झाड़ोल– अंभाबेली	58E	करैल
70	आसींद – भीलवाड़ा	158	धुलेपुरा
71	कुंडल – झाड़ोल	58E	पीपलवास
72	डूंगरपुर–हिरता–वरदा–सागवाड़ा	927A	पाडला हल्दिया
73	चित्तौड़गढ़–नीमच (MP बॉर्डर) और निम्बाहेड़ा–प्रतापगढ़	113	ओछाड़ी
			निम्बाबेड़ा
			नरसिंहगढ़
			सिधपुरा
74	सीकर बाईपास होते हुए सीकर–बीकानेर और बीकानेर बाईपास	11	रशीदपुरा
			टिडियासर
			लाखासर
			उदयरामसर (बीकानेर बाईपास, रिड़मलसर)
75	जोधपुर – पाली	62	निम्बाली
			गाजनगढ़
76	बीकानेर–सूरतगढ़	15/11	खारा
			भदेरा
			हिंडोर

Download the Rajmargyatra App

Google play App Store

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

NABH ACCREDITED H-2024-1409

चिकित्सा परामर्श, जाँच, भर्ती एवं ऑपरेशन शिविर

नि:शुल्क

अगस्त 16 2025 से अगस्त 30 2025

समय: प्रात 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

- नि:शुल्क परामर्श
- नि:शुल्क रक्त एवं मूत्र की जाँच
- नि:शुल्क वार्ड में भर्ती
- नि:शुल्क ECG, X-Ray, इकोकार्डियोग्राफी मैमोग्राफी
- CT Scan, मात्र ₹1500/- MRI - मात्र ₹3000/-
- नि:शुल्क सभी तरह के ऑपरेशन
- नि:शुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन
- नि:शुल्क एडवांस्ड थोरैकोस्कोपी

नि:शुल्क

लेजर व सामान्य ऑपरेशन

- बवासीर (पाईल्स) • फिशर • फिस्टुला
- पिलोनिडल साइनस
- हर्निया (फर्स्ट टाइम केस) • अपेंडिक्स एवं गठान
- गॉलब्लैडर (पित्त की थैली) की पथरी

डॉ. एम.एम. मंगल, जनरल सर्जन | डॉ. हनुवंत सिंह राठौड़, यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन | डॉ. धवल शर्मा, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. के.सी. व्यास, जनरल सर्जन | डॉ. विकेश कुमार जोशी, कन्सलटेन्ट जी.आई. सर्जन | डॉ. गौरव वधावन, जनरल सर्जन

नि:शुल्क

14 वर्ष तक के बच्चों का सभी तरह की बीमारियों का ईलाज व ऑपरेशन

- सामान्य टीकाकरण • वेंटिलेटर की सुविधा
- एन.आई.सी.यू. एवं पी.आई.सी.यू. की सुविधा

डॉ. प्रवीण झंवर, बाल एवं नवजात शिशु सर्जन | डॉ. पुनीत जैन, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ

डॉ. रवि भाटिया, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, MD Pediatric | डॉ. सन्नी मालवीया, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, MD Pediatric | डॉ. दिनेश रजवानिया, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, MD Pediatric

नि:शुल्क

डिलीवरी (सामान्य एवं सिजेरियन)

गर्भधारण से डिलीवरी तक आपके एवं शिशु के सम्पूर्ण ईलाज की नि:शुल्क सुविधा (जाँच एवं दवाईयों सहित)

डिलीवरी के 2 माह पूर्व पंजीकरण कराने पर प्राईवेट रूम की नि:शुल्क सुविधा

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य 9828144314

डॉ.स्मिता बरया(गोयल), स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन | डॉ. संचिता दशोरा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | डॉ. सुनीता माहेश्वरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | डॉ. राजरानी शर्मा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डॉ. आभा गुप्ता, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | डॉ. रमा चुण्डावत, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन | डॉ. आकांक्षा अग्रवाल, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | डॉ. कोमल इनानी झंवर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

IVF@₹70,000* इंजेक्शन सहित

*नियम व शर्तें लागू।

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को नि:शुल्क वाहन की सुविधा

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

*नियम व शर्तें लागू। दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान) | फोन : 8690541110

इंग्लैंड के खिलाफ यादगार टेस्ट सीरीज ड्रा कराने वाले अपने शिष्य और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर मुझे गर्व है। – युवराज सिंह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, शुभमन गिल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आकाश चोपड़ा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा और प्रज्ञान ओझा ने अपने खेल के दिनों के अजीबोगरीब अंधविश्वासों के साथ-साथ मैदान पर बिताए कुछ अविस्मरणीय पलों के बारे में खुलकर बात की। आकाश ने कहा कि कैसे खिलाड़ी अंधविश्वासों में विश्वास करते थे। उन्होंने कहा, कभी-कभी कोई भाग्यशाली कलाई बैंड में विश्वास करने लगता था, यहां तक कि कलाई बैंड का रंग भी मायने रखता था। फिर, कुछ खिलाड़ी अपनी जर्सी नंबर पर विश्वास करते थे। अगर उन्हें जो नंबर चाहिए था, वह पहले से ही ले लिया गया था, तो वे सलाह के लिए किसी अंकशास्त्री के पास जाते थे।

क्या आप जानते हैं ?... पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 75.40 की औसत से 754 रन बनाने वाले गिल को भारत का प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इसमें चार शतक शामिल हैं।

राजस्थान राज्य सीनियर महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप

जयपुर जिला फुटबॉल टीम की कप्तान निकिता कंवर और पूजा शर्मा उप कप्तान बनी

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में भीलवाड़ा जिला फुटबॉल संघ द्वारा भीलवाड़ा में आयोजित होने जा रही राजस्थान राज्य सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली जयपुर जिला की फुटबॉल टीम की आज घोषणा की गई। जयपुर जिला की 18 सदस्यीय टीम की कप्तान निकिता कंवर और उप कप्तान पूजा शर्मा को बनाया गया है।

आज शाम केंद्रीय विद्यालय नंबर वन के फुटबॉल प्रांगण में जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य श्री अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, श्री हितेश शर्मा, डॉ दिलीप सिंह चुंडावत और श्री सेबी फिलिप्स ने जयपुर टीम की घोषणा की।

जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि जयपुर जिला फुटबॉल टीम का चयन 10 अगस्त को आयोजित ट्रायल और उसके बाद आयोजित 4 दिवसीय कैंप के आधार पर किया गया है। डॉ दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान की 16 टीमें भाग ले रही है और जयपुर का प्रथम मैच 16 अगस्त को चूरू से होगा। यह प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जा रही है और प्रतियोगिता का फाइनल 18 अगस्त को होगा।

राजस्थान के धैर्य और लक्षाण्या ने जीते गोल्ड, याशी को रजत

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान के धैर्य गोगिया और लक्षाण्या राजावत ने गुरुवार को मुम्बई में संपन्न हुई महाराष्ट्र ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने- अपने आयु वर्ग में स्वर्णिम सफलता हासिल की, वहीं याशी जैन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता ने बताया कि राजस्थान के धैर्य गोगिया ने अंडर-13 बॉयज के फाइनल में महाराष्ट्र के ऋषभ श्याम को 11-9, 7-11, 11-7, 11-9 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। धैर्य ने इससे पहले सेमी फाइनल में बंगाल के अर्जुन कनोरिया को 11-4, 11-4, 11-9 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी। गर्ल्स अंडर-9 का खिताब राजस्थान की लक्षाण्या राजावत ने जीता। उन्होंने फाइनल में महाराष्ट्र की जानिका मेहता को 11-7, 11-3, 11-3 से शिकस्त दी।

इस राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम के खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। टीम इस प्रकार है – निकिता कंवर (कप्तान) पूजा शर्मा (उपकप्तान), आकांक्षा बैरवा, अर्चना शर्मा, भव्यश्री कुमारी, छवि अग्रवाल, हर्षिता राठौड़, कनिका जैन, मधु महावर, माही शर्मा, नंदनी कुमारी, गौरीसा राठौड़, साक्षी सैनी, श्रीजा गौतम, शुभृता सिंह, स्नेहा बोरा, वंशिका कुंडालिया और वृद्धि बत्रा। टीम की कोच पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी संजना खंडेलवाल और मैनेजर प्रियंका कुमावत है।

कुमावत द्वारा आज स्वतंत्रता दिवस पर किया जायेगा झंडारोहण

वीमेन-20 मैच बारिश के कारण रद्द

जयपुर 14 अगस्त। 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत सुबह 10 बजे सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए ऑफिस प्रांगण (अकादमी) में झंडारोहण करेंगे।

आरसीए ऑफिस में हर घर तिरंगा अभियान में राज्य की महिला खिलाडियों ने लिया भाग डी डी कुमावत

संस्कृति मंत्रालय , भारत सरकार के भारत के आजादी के पर्व 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित किये जा रहे " हर घर तिरंगा " अभियान के तहत आज आरसीएकार्यालय पर आयोजित हर घर तिरगाअभियान में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य पिंकेश पोरवाल, राज्य की युवा महिला खिलाडियों, आरसीए कर्मचारियों ने भाग लिया।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता (चौथे दिन खेले जाने वाले मैच बारिश के कारण रद्द)

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर महिला टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर महिला 20 प्रतियोगिता के चौथे दिन खेले जाने वाले मैच बारिश के कारण रद्द।

आज खेले जाने वाले मैच :-

नारायणा क्रिकेट ग्राउंड :-

पहला मैच हनुमानगढ़ – धौलपुर, हनुमानगढ़ पारी 100/9, टीम के लिए जसनप्रीत 20, आरजू 17 व मंजू 12 रन, धौलपुर पारी पूनम 23/2, सीमा शर्मा 27/2 विकेट,धौलपुर पारी 6/0 (बारिश के कारण खेल रोका गया)।

'ईएपीएल' ट्रॉफी का हुआ विमोचन

जयपुर, 14 अगस्त। जयपुर में एक अनोखी क्रिकेट टूर्नामेंट 'ईएपीएल – द इवेंट इंडस्ट्री एंड आर्टिस्ट प्रीमियर लीग' 18 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। आयोजक यश माहेश्वरी ने कहा कि इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट (18 से 20 अगस्त 2025) की ट्रॉफी का अनावरण अजमेर रोड स्थित, एक होटल द फर्न हैबिटैट में

कल देर रात किया गया। ट्रॉफी लॉन्चिंग पार्टी में इवेंट इंडस्ट्री के कई दिग्गज जैसे इवेंट गुरु, अरशद हुसैन; फोरम के प्रेसिडेंट, मोहित महेश्वरी ; वाइस प्रेसिडेंट, हितेंद्र शर्मा; ट्रेजरार, विनीत जैन; सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं – जयपुर फेलकस, पुणे पैंथर्स, दिल्ली रैपर, रांची हंटर्स, कोटा वूल्व्स, अजमेर नाइट्स, अहमदाबाद बुल्स और मुंबई निंजाज़। इस टेनिस बॉल टूर्नामेंट में हर टीम के अंदर 7 मेल और 1 फीमेल खिलाड़ी खेलेंगे और इस 8 ओवर के इन मुकाबलों में शार्ट बाउंड्री के साथ रोमांस का स्तर अलग ही होगा। ट्रॉफी विमोचन कार्यक्रम को शाम सूफी इमरान के लाइव बैंड के साथ सेलिब्रेशन, नेटवर्किंग और क्रिकेट स्पिरिट के नामसमर्पित रही।

राजस्थान फुटबॉल संघ के सतीश जांगिड़ बने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के कंपीटिशन मैनेजर

जयपुर, 14 अगस्त। राजधानी जयपुर में नवंबर माह में होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के सफल आयोजन के लिए राजस्थान फुटबॉल एसोशिएशन के टेक्निकल डायरेक्टर सतीश जांगिड़ को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और राजस्थान फुटबॉल संघ की अनुशंसा पर युवा और खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा यूनिवर्सिटी गेम्स में होने वाले फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए ऑर्गेनाइजिंग कमेटी का हेड नियुक्त किया गया है। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन जयपुर में हो रहा है जिसमें फुटबॉल प्रतियोगिता में देश की टॉप विश्वविद्याल की फुटबॉल टीमें हिस्सा लेगी उसकी आयोजन की समस्त जिम्मेदारी सतीश जांगिड़ की रहेगी, शेखावत ने बताया कि सतीश जांगिड़ हाल ही में उत्तराखंड के देहरादून में हुए नेशनल गेम्स में भी तकनीकी सहायक के रूप में बतौर मैच कमिश्नर शामिल हुए थे। सतीश जांगिड़ को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर संघ अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टॉक, कोषाध्यक्ष कैलाश खटीक, रेफरी बोर्ड के चेयरमैन महेंद्र सिंह बिजारणियां सहित फुटबॉल से जुड़ी तमाम हस्तियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

राज्य स्तरीय अंडर-19 प्रतियोगिता हेतु आरसीए द्वारा पाली जिला टीम घोषित

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आगामी 16 अगस्त से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पाली जिला टीम का चयन आरसीए जूनियर चयन कमेटी द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु चयनित पाली जिला टीम :- रोहित बंजारा – कप्तान, हर्ष दगडी – उपकप्तान, यशपाल चौहान, भव्य गर्ग, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, अरविन्द, कमलेश, मनन चौहान, मानव तुनगरिया, दिकू सिंह, भावेश शर्मा, राजवीर मनावत, चौधरी भास्कर भेराराम, राजवर्धन राठौड़, केतन जोशी, तोश नक्षत्र श्रीमाली, नयन चौहान, निखिल मेवाड़ा, सागर देवासी, करण सरगरा, विनय प्रताप सिंह। कोच असलम, मैनेजर मनोहर सिंह।

सातवीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जयपुर बालक एवं बालिका टीम की घोषणा

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ एवं सीकर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में 7 सब-जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन दिनांक 15 अगस्त से 17 अगस्त 2025 तक खंडेला, सीकर में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में जयपुर की बालक एवं बालिका दोनों टीमें भाग लेने जा रही है। जयपुर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जयपुर बालक एवं बालिका टीमें इस प्रकार है :- **बालक वर्ग :-** अजितेश पारीक (कप्तान), रोहन दत्ता (उप कप्तान), हर्ष जायसवाल, वेदांत सोनी, मुकुल गुर्जर, देवांश सैन, परमवीर सिंह, युवराज सिंह, प्रांजल, हर्षित, लक्ष्मीकांत शर्मा (कोच), अब्दुल अब्बास (मैनेजर)।

बालिका वर्ग :- आमना (कप्तान), अनुष्का सिंह (उप कप्तान), रिया दर्जी , लवन्या खंडेलवाल, मानवी, चंचल, जानवी, लक्ष्मी, जिनल, वंशिका, कृष्णा कुमावत (कोच), अनीता कुमावत (मैनेजर)। जयपुर जिला बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव शौकत मंसूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा, उपाध्यक्ष अब्दुल अब्बास, संयुक्त सचिव अधिवक्ता ताहिर खान ने खिलाडियों को किट प्रदान किया।

मानसून मैडनेस : बाइक राइड के जरिए सड़क सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा

जयपुर, 14 अगस्त। "मोटर मास्टर्स क्लब" द्वारा आयोजित मानसून मैडनेस 2025 के तहत आज जयपुर से एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बाइक राइडर्स 1200 किलोमीटर या उससे अधिक की दूरी तय करेंगे। यह रैली सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। यह अभियान रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन एवं पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार के सामुदायिक सहयोग से संपन्न हो रहा है।

MAHARAJ VINAYAK GLOBAL UNIVERSITY

JAIPUR DENTAL COLLEGE Best Dental College in Northern India Awarded by Prime Time Research Media Private Limited

Estd. under the Act No. 6 / 2012 of the Government of Rajasthan, Notification No. F.2(5) Vidhi/2/2012 dated 21/3/2012

Approved by UGC under Section 2(f) of UGC Act 1956

Since 25 years in Education Field

Give Wings to Your Dreams!

For Your Successful Career and Grooming We Offer

- A lush green beautiful Wi-Fi campus with Modern State of Art Infrastructure
- Transport facility from all corners of Jaipur City • 100 Beds Hospital
- English Communication • Separate Hostels for Boys & Girls
- Attractive Scholarship Scheme • Virtual Class Rooms • Digital Library
- Soft Skills Development Capsules for Students • Skilled Labs
- Personality Development • Basic Computer Knowledge • Expert Faculty

JAIPUR DENTAL COLLEGE HAS BEEN RATED 3 STAR in India's Top Private Dental Colleges — the pioneer, New Delhi, Thursday June 5th, 2014

ADMISSION OPEN FOR ACADEMIC SESSION: 2025-26

ALL THE PROGRAMMES ARE APPROVED BY CONCERNED COUNCIL/ASSOCIATION

JAIPUR DENTAL COLLEGE - 9414058792, 9785100727
• Ph.D • MDS (45 Seats) • BDS (100 Seats) • Dip. in Dental Hygienist (20 Seats) • Dip. in Dental Mechanic (20 Seats) • Dip. in Facial Aesthetics • Dip. in Hair Transplant • Diploma in Immediate Loading Cortico Basal Implantology
★ Recognized by Dental Council of India

JAIPUR NURSING COLLEGE - 9785400222, 9785400333
• Ph.D • M.Sc Nursing (20 Seats) • B.Sc Nursing (75 Seats) • Post Basic B.Sc. Nursing (30 Seats)
★ Recognized by Nursing Council and Government of Rajasthan

JAIPUR PHYSIOTHERAPY COLLEGE -9785400222/9785400333
• Ph.D • MPT • BPT • Fellowship Programs
• Recognized by Department of Medical & Health, Government of Rajasthan

JAIPUR OCCUPATIONAL THERAPY COLLEGE - 9785400222, 9785400333
• Ph.D • MOT • BOT
• Recognized by Department of Medical & Health, Government of Rajasthan

JAIPUR SCHOOL OF COMPUTER SCIENCE - 9785400222, 9785400333
• PGDCA • BCA • MCA

JAIPUR INSTITUTE OF BIOTECHNOLOGY - 9785400231, 9785100727
• Ph.D • B.Sc • M.Sc

DEPARTMENT OF LIBRARY SCIENCE - 9785400231, 9785100727
• Ph.D • C.LIS • D. LIS • B. LIS • M. LIS

JAIPUR SCHOOL OF LAW - 9785400222, 9785400333
• Ph.D • BA LLB (H) (60 Seats) • LLB (120 Seats) • LLM • Diploma in Labour & Criminal Law
★ Recognized by Bar Council of India

DEPARTMENT OF EDUCATION - 9785400231
• Ph.D • M.Ed. (50 Seats) • B.Ed. (100 Seats) • B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed. (50/50 Seats) • D.El. Ed. (100 Seats)
★ Recognized by National Council for Teacher Education

OFFERED SPECIAL EDUCATION PROGRAMMES: - 9785400231
★ Recognized by Rehabilitation Council of India
• B.Ed. Spl. Edu. (VI) (30 Seats) • M.Ed. Spl. Edu. (VI) (10 Seats) • P.G.D.R.P. (12 Seats) • D.Ed. Spl. Edu. (IDD) (35 Seats) • M.Ed. Spl. Ed. (ID) (10 Seats) • D.Ed. Spl. Edu. (VI) (35 Seats) • Integrated B.Ed.-M.Ed. Spl. Ed. (ID) (20 Seats)

JAIPUR SCHOOL OF MANAGEMENT - 9785400222, 9785400333
• Ph.D • BBA • MBA

JAIPUR SCHOOL OF PHARMACY (Recognized by PCI) - 9785400143, 9785400231
• Ph.D • D. Pharm. (60 Seats) • B. Pharm. (60 Seats) • M. Pharm. (Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry, Pharmacology)
★ Reorganized by Pharmacy Council of India

JAIPUR COLLEGE OF ARTS, COMMERCE & SCIENCE - 9785400222, 9785400333
• Ph.D • BA • B.Sc. (Bio & Maths) • B.Com. • BSW • MA • M.Sc. • M.Com. • MSW

JAIPUR SCHOOL OF HOTEL MANAGEMENT - 9785400222, 9785400333
• DHEM • BHM • PGDHM

MVGU HIGHLIGHTS :

- Awarded Best Dental College in North India by Prime Time Research Media Pvt. Ltd., India
- MoU's for Students Exchange & Collaboration with National & International Universities
- Alumni Students working in Central/Various State Govt., Corporate Hospitals in India & Abroad
- Well Equipped Smart/Virtual Classroom Facilities
- Tie-up for Internship with Multispecialty Hospitals, Law Firms, Corporate Sector in Jaipur & Outside State
- Well-equipped Labs for Practical Trainings
- Placement at National & International Level by Placement Assistance
- Highly Qualified and Dedicated Staff
- Research Grants/Funds for Research Project/Innovation
- Air conditioned Digital Library with National/International Books & Journals
- Air conditioned Moot Court Hall for National Level Moot Competition
- Extension Lectures by eminent Professor, Academicians & Professionals
- Organized Regular Seminar, Workshop, Symposium, Awareness/Value Added/Legal Literacy Camps
- Regular Visit at Industry/Court/Hospital/renowned Institute/Corporate
- Offered approved Education & Special Education Programme
- Internship Facilities for Students School Training.

Ph.D. Entrance Test Session- 2025 (Contact : 9785400834)

Ph.D. Programmes in the Department of Dentistry, Nursing, Pharmacy, EAFM, ABST, English, Bio-Sciences, Spl. Education, History, Hindi, Library Science, Social Sciences, Political Science Commerce, Management and Law. Last date of Submission of admission application form is 27.08.2025.
Entrance Test 2025 will be held on 30.08.2025 (Saturday) from 11.00 a.m. to 02.00 p.m. in the University Campus.
Note: Application form for admission can be downloaded from our website: www.mvgu.ac.in

REGISTERED OFFICE: M-80, Mahesh Colony, Near J. P. Underpass, Lal Kothi, Jaipur 0141-2590103/ 2590104

UNIVERSITY CAMPUS: Dhand, Amer, Jaipur-Delhi N. H. 11-C, Jaipur-302028 (Rajasthan) Contact : 01426-284175, 284176,284407 Email : website : registrar@mvgu.ac.in, info@mvgu.ac.in, www.mvgu.ac.in

ADMINISTRATIVE OFFICE: 'DAKSH APARTMENT' P. No. 36-37, Flat No. S1&2, Tagore Nagar Ajmer Road, Opp. Regal Restaurant, Jaipur 0141-2352188, 2353964

REGISTRAR

SKIT असतो मा सद्गमय

SWAMI KESHVANAND INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MANAGEMENT & GRAMOTHAN

Swami Keshvanand (1883-1972)

(An Autonomous Institute Affiliated to Rajasthan Technical University, Kota)
Recognized by UGC under section 2(f) of the UGC act 1956, Approved by AICTE, New Delhi

Creating Winners for Life

1 RANK BY RTU, KOTA 2017 - 2024
47 LPA HIGHEST PACKAGE BEST PLACEMENTS
6 ENGINEERING PROGRAMMES ACCREDITED BY NBA (NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION)
850+ RECORD PLACEMENTS

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

79वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं!

Jaipal Meel (Director)

Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 (Rajasthan)
www.skit.ac.in admissions@skit.ac.in
SUNDAY OPEN | 9:30 AM TO 4:00 PM

ADMISSIONS HELPLINE
B.Tech.: 8505003008
M.Tech., Ph.D : 9799884938
MBA: 9680080686, 8302020007

मुख्यमंत्री ने बी.एस.एफ. की कोडेवाला सीमा चौकी का दौरा किया

बी.एस.एफ. कर्मी हमारी सीमा पर तस्करी, घुसपैठ जैसे अपराधों को मुस्तैदी से नाकाम कर रहे हैं-भजनलाल

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने बी.एस.एफ. जवानों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बी.एस.एफ. ने मरूभूमि में साढ़े छह लाख पौधे लगा कर पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र में सराहनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात कर उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए फल वितरित किए । इस अवसर पर महिला प्रहरियों ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र बांधे।

बीकानेर, 14 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जवान अपने अदम्य शौर्य, साहस और बल से बर्फीली वादियों-तपते मरुस्थल सहित, देश के हर कोने में दिन-रात मुस्तैदी से सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अनुशासित व देश सेवा को समर्पित दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक है। वे हमारी सीमा पर तस्करी, घुसपैठ जैसे अपराधों को भी मुस्तैदी के साथ नाकाम कर रहे हैं।

शर्मा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बीकानेर में खाजूवाला के कोडेवाला आउट पोस्ट (सीमा चौकी) पर बीएसएफ के जवानों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बीएसएफ जवानों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीएसएफ के जाबांजों के बीच आकर उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता व गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा, बीएसएफ ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय अद्भुत कार्य किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए जवानों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने हाल ही में मरुभूमि में साढ़े छह लाख पौधे लगाकर पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने कोडेवाला पोस्ट का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया तथा पोस्ट पर एंटी ड्रोन सिस्टम तथा रक्षा उपकरणों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए फल वितरित किए। मुख्यमंत्री को महिला प्रहरियों ने रक्षा सूत्र भी बांधे।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा सुप्रीम कोर्ट का केन्द्र को नोटिस

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिका पर गुरुवार को केंन्द्र सरकार से जबाव तलब किया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केन्द्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे इस मामले में जहूर अहमद भट और इरफान हाफिज लोन द्वारा दायर याचिकाओं पर आठ हफ़्ते के भीतर अपना रुख स्पष्ट करें।

127 जवानों को वीरता पुरस्कार

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह घोषणा की, वायु सेना के 9 पायलटों को वीर चक्र मिला है।

नयी दिल्ली 14 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को सशस्त्र बलों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 127 रणबांकुरों को बहादुरी के लिए वीरता पुरस्कार और 40 को उल्लेखनीय सेवा के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार देने की घोषणा की है।

वीरता पुरस्कारों में चार को कीर्ति चक्र, 15 को वीर चक्र और 16 को शौर्य चक्र से सम्मानित करने की मंजूरी दी गयी। वीर चक्र पाने वाले रणबांकुरों में वायु सेना के वे नौ जांबाज पायलट भी शामिल हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायु सेना के महानिदेशक संचालन एयर मार्शल अवधेश भारती और वायु सेना के उप प्रमुख नर्मदेश्वर तिवारी सहित तीनों सेनाओं के सात वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रपति ने इसके अलावा दो बार टू सेना पदक (वीरता), 58 सेना पदक (वीरता), छह नौसेना पदक (वीरता), 26 वायु सेना पदक (वीरता), सात सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक, नौ उत्तम युद्ध सेवा पदक और 24 युद्ध सेवा पदकों की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने 290 मेंशन-इन-डिस्पैच को भी मंजूरी दी है, जिनमें सेना को 115, नौसेना को पांच, वायु सेना को 167 और सीमा सड़क विकास बोर्ड (बीआरडीबी) को तीन पुरस्कार देने को मंजूरी दी गयी।

स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

■ स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ने पर सुप्रीम कोर्ट में जमकर बहस हुई। तीन सदस्यीय बैंच ने कहा एक तरफ मानवीय पीड़ा है दूसरी तरफ पशु प्रेमी हैं।

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आवारा कुत्तों को पकड़ कर आश्रय गृहों में भेजने संबंधी शीर्ष अदालत के 11 अगस्त के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर गुरुवार को यहां फिर जमकर बहस हुई और संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद तीन सदस्यीय पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने दो सदस्यीय पीठ के 11 अगस्त के आदेश के मद्देनजर स्वत: संज्ञान लेकर इस मामले में बुधवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की एक नयी पीठ गठित की थी।

न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने आज सुनवाई की और दो सदस्यीय पीठ के आदेश की वैधता पर सवाल उठाने वाले सभी हस्तक्षेपकर्ताओं से हलफनामा दाखिल करने को कहा। तीन सदस्यीय पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि एक तरफ मानवीय पीड़ा है और दूसरी तरफ पशु प्रेमी हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांगी वाराणसी की वोटर लिस्ट

■ कांग्रेस ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 में वाराणसी चुनाव धांधली करके जीते हैं।

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए कथित वोट चोरी आरोप के बाद कांग्रेस मीडिया विभाग चेयरमैन पवन खेड़ा ने गुरुवार को चुनाव आयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संसदीय क्षेत्र वाराणसी की वोटर लिस्ट की मांग की है।

खेड़ा ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री ने 2024 लोकसभा चुनाव में धांधली की है। कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन खेड़ा ने आज प्रेस वार्ता में कहा, चुनाव आयोग के कई चेहरे है। चुनाव आयोग का नाम एक है तो वहीं चेहरे अनेक हैं।

उन्होंने कहा कि सात अगस्त को गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत की राजनीति में भूचाल आ गया।

इसके कारण ही सत्ता में बैठी सरकार घबरा रही है।

बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू करने की नौबत आ सकती है!

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, अगले मंगलवार तक, चुनाव आयोग को मतदान सूची से काटे गये 65 लाख नाम छापना व हर नाम के साथ नाम काटने का कारण बताना, असम्भव काम है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग (इलेक्शन कमीशन-ईसी) को निर्देश दिये हैं कि बिहार की मतदाता सूची से हटाये गये 65 लाख मतदाताओं का विवरण अगले मंगलवार तक प्रकाशित कर दिया जाये। सर्वोच्च अदालत के इस निर्देश से चुनाव आयोग के लिये गंभीर संकट पैदा हो गया है तथा चुनावाधीन राज्य बिहार में संवैधानिक संकट की आशंका बढ़ गई है।

ईसी के अन्दरुनी सूत्रों के अनुसार, एक सप्ताह से भी कम समय में इतने बड़े डेटा सेट को एकत्रित करना, सत्यापित करना और सार्वजनिक रूप से जारी करना "लगभग असंभव" है। विभिन्न याचिकाओं की दो महीने की सुनवाई के बाद तय की गई समय सीमा से आयोग पर तो भारी दबाव पड़ ही गया है, केन्द्र सरकार भी असहज स्थिति में आ गई है।

ईसी के एक पूर्व शीर्षस्थ अधिकारी ने, नाम न बताने की शर्त पर, कहा कि यह निर्देश बिहार को संवैधानिक संकट की ओर धकेल सकता है। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव कराना अनिवार्य है, अन्यथा सरकार न होने की स्थिति (गवर्नेन्स वैक्यूम) पैदा हो सकती है। अगर मतदाता सूची समय पर तैयार नहीं होती, तो चुनाव कार्यक्रम पटरी से उतर सकता है।

■ चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, इस काम में कम से कम पांच सप्ताह का समय लगेगा। और संवैधानिक आवश्यकता है, कि, विधानसभा चुनाव सम्पन्न करा कर, नई विधानसभा का गठन 22 नवम्बर तक हो जाना चाहिये। नहीं तो संवैधानिक संकट उत्पन्न हो जायेगा और एक समाधान बचेगा, राष्ट्रपति शासन लगाना।

■ चुनाव आयोग के सूत्रों का यह भी कहना है कि यह काम, सूची छापना व कारण बताना, बड़ी सावधानी से करने का काम है। क्योंकि अगर जल्दबाजी व थोड़ी सी असावधानी से कुछ त्रुटि रह गई तो और नये-नये मुकदमे दायर होने की सम्भावना बनेगी तथा चुनाव आयोग की विश्वसनीयता फिर कठघरे में खड़ी की जायेगी।

■ समय की घड़ी लगातार चल रही है, तथा बिहार में न्यायपालिका के आदेश, संवैधानिक समयबद्धता तथा चुनाव आयोग की प्रशासनिक क्षमता के बीच टकराहट की अजीबोगरीब स्थिति बन रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि 65 लाख हटाए गए मतदाताओं की सूची तैयार करना और उसे प्रकाशित करना एक विशाल कार्य है। इसके लिए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के रिकॉर्ड को क्रॉस-चेक करना, डेटा का डिजिटलीकरण करना और प्रत्येक विलोपन के लिए स्पष्टीकरण देना जरूरी होगा।

एक पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, "अगर पूरी मशीनरी भी लगा दी जाए, तब भी इस कार्य के लिये न्यूनतम पांच सप्ताह से दो महीने तक का समय चाहिये। इसे कुछ ही दिनों में करना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि तकनीकी रूप से असंभव भी है।"

ईसी को यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि डेटा सटीक और कानूनी रूप से सही हो, क्योंकि किसी भी गलती से आगे और मुकदमेबाजी हो सकती है। हर एक हटाए गए नाम के लिए कारण बताना-जैसे मृत्यु, पता परिवर्तन, नाम की पुनरावृत्ति या अन्य-इस कार्य को और ज्यादा जटिल बनाता है।

बिहार में दांव बहुत ऊंचे हैं, जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि मतदाता सूची समय पर तैयार नहीं होती, तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा में देरी कर सकता है।

एक वरिष्ठ चुनावी कानून विशेषज्ञ ने कहा, "अगर अंतिम मतदाता सूची तैयार नहीं होती, तो चुनाव प्रक्रिया अधिसूचित नहीं की जा सकती। इसका अर्थ है कि विधानसभा 22 नवंबर तक गठित नहीं हो सकेगी, जिससे संवैधानिक संकट उत्पन्न होगा।"

ऐसी स्थिति में, संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, राज्य में उस समय तक राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है, जब तक कि चुनाव संपन्न न हो जाएं। पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह एक अभूतपूर्व स्थिति होगी, जो सीधे न्यायिक आदेश से उत्पन्न हो सकती है।

केन्द्र सरकार, भले ही मतदाता सूची की तैयारी के लिए सीधे जिम्मेदार न हो, लेकिन अगर बिहार में चुनाव टलते हैं तो उसे इस स्थिति के राजनीतिक नतीजों का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति शासन की ओर उठाया जाने वाला कोई भी कदम राज्य की तीव्र राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए एक विवादास्पद मुद्दा बन सकता है।

फिलहाल, सभी की निगाहें चुनाव आयोग के अगले कदमों पर हैं-क्या वह सुप्रीम कोर्ट से समय वृद्धि की मांग करेगा? कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि आयोग के पास और अधिक समय मांगने के अलावा संभवत: अन्य कोई विकल्प नहीं होगा, क्योंकि जल्दबाज़ी में विवरण सहित सूची तैयार करने में ऐसी गलतियाँ हो सकती है जो चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास डगमगाने का खतरा पैदा कर सकती हैं।

समय की रफ्तार के साथ यह स्थिति एक विरल टकराव का रूप ले रही है-जहां न्यायिक आदेश, संवैधानिक समयसीमाएं और देश की चुनावी मशीनरी की प्रशासनिक सीमाएं आमने-सामने हैं।

रिश्वत प्रकरण में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज बाजवा और अधिवक्ता कपिल गुप्ता ने बताया कि याचिकाकर्ता करीब साढ़े तीन माह से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। प्रकरण में एसीबी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। किन्तु अभी तक मुकदमा चलाने के लिए विधानसभा स्पीकर से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली है। ऐसे में उन्हें अनावश्यक रुप से जेल में रखने से कोई लाभ नहीं है। इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपी विधायक पर विधानसभा में पूछे गए सवाल को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने का गंभीर आरोप है। याचिकाकर्ता ने जनप्रतिनिधि होने के बावजूद इस तरह का अपराध किया है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जाए।

■ वि.सभा में सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत के मामले में विधायक सहित 4 आरोपी करीब साढ़े 3 माह से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिख रहा है।

कांग्रेस ने इस आधार पर आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के जरिए वोट चोरी कर रही है। कांग्रेस ने पूछा कई चुनाव क्षेत्रों में वोट चोरी हुई है तो क्या 2024 का जनादेश बदला जाएगा?

आज सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को मुश्किल में डाल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने आज चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में हटाए गए 65 लाख वोटरों की पूरी सूची, नाम हटाने के कारणों के साथ, मंगलवार तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड की जाए। अदालत ने यह भी कहा कि इस सूची को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर वोटर इसे देख सके।

एक अहम फैसले में, अदालत ने कहा कि जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, वे अपने आधार कार्ड की कॉपी के साथ दावा पेश कर सकते हैं। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि याचिकाओं में आधार को पहचान के प्रमाण के रूप में मान्य नहीं करने का मुद्दा उठाया गया था, तथा कहा गया था कि इससे अनेकानेक वोटर प्रभावित होंगे।

बिहार में होने वाले चुनावों को से सम्बन्धित स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग के मुताबिक, सूची से हटाये गये 65 लाख में से 22 लाख लोग मर चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया-"अगर 22 लाख लोग मर चुके हैं, तो यह बूथ स्तर पर क्यों नहीं बताया गया? हम नहीं चाहते कि नागरिकों के अधिकार राजनीतिक पार्टियों पर निर्भर हों।"

अपने आदेश में बैंच ने कहा-"हमने चुनाव आयोग की संक्षिप्त सुनवाई की। सुनवाई के दौरान निम्न कदम उठाने पर सहमति बनी: अंतरिम व्यवस्था के तहत, ईसी ये कदम उठायेगा: 2025 की सूची में जिन 65 लाख वोटरों के नाम थे लेकिन मसौदा सूची में नहीं हैं, उनकी सूची ज़िला स्तर की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।"

आदेश के मुताबिक, इस सूची में नाम हटाने का कारण भी लिखा होगा। "स्थानीय भाषा के सबसे अधिक प्रसार वाले अखबारों में इसका व्यापक प्रचार होगा और इसे दूरदर्शन व अन्य चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। यदि जिला निर्वाचन अधिकारी का सोशल मीडिया अकाउंट है, तो वहां भी नोटिस डाला जाएगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने निर्देश पढ़कर सुनाया, "पीड़ित लोग अपने आधार कार्ड की कॉपी के साथ अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अलावा, 65 लाख वोटरों की बूथ-वार सूची सभी पंचायत भवनों, ब्लॉक विकास कार्यालयों और पंचायत कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी, ताकि लोग इसे व्यक्तिश: देख सकें।

यह फैसला बिहार के वोटरों के लिए बड़ी राहत है और बिहार में धांधली रोकने के लिए राहुल गांधी व विपक्ष की कड़ी लड़ाई का नतीजा है।

■ सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऑर्डर में कटाक्ष भी किया, कि चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 65 लाख नाम जो काटे गये हैं, उनमें 22 लाख वे लोग हैं, जो मर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर ये सभी व्यक्ति वाकई में मर चुके हैं, तो यह तथ्य बूथ स्तर की जानकारी में भी परिलक्षित क्यों नहीं हुआ।

दिल्ली एनसीआर में रैड अलर्ट

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए रेड अलर्ट और उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में 14 अगस्त से 17 अगस्त तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले तीन दिनों के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ , दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्यम से तेज बारिश होगी।

इस बीच उत्तराखंड में देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, नैनीताल और बागेश्वर समेत, कई इलाकों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है।

किश्तवाड़ में बादल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पहाड़ 1,818 मीटर से लेकर 3,888 मीटर तक ऊंचे हैं। इतनी ऊंचाई पर ग्लेशियर (बर्फ की चादर) और ढलानें हैं, जो पानी के बहाव को तेज करती हैं।

मचैल माता तीर्थयात्रा हर साल अगस्त में होती है। इसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं। यह यात्रा 25 जुलाई से 5 सितंबर तक चलेगी। यह रूट जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है और इसमें पद्दर से चशोटी तक 19.5 किमी की सड़क पर गाड़ियां जा सकती हैं। उसके बाद 8.5 किमी की पैदल यात्रा होती है।

सेना के जम्मू स्थित जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने गुरुवार को बताया कि चिसोटी गांव में बादल फटने से प्रभावित क्षेत्र में सेना राहत और बचाव में जुटी है। प्रभावित लोगों को राहत सामग्री, चिकित्सा दल और बचाव उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

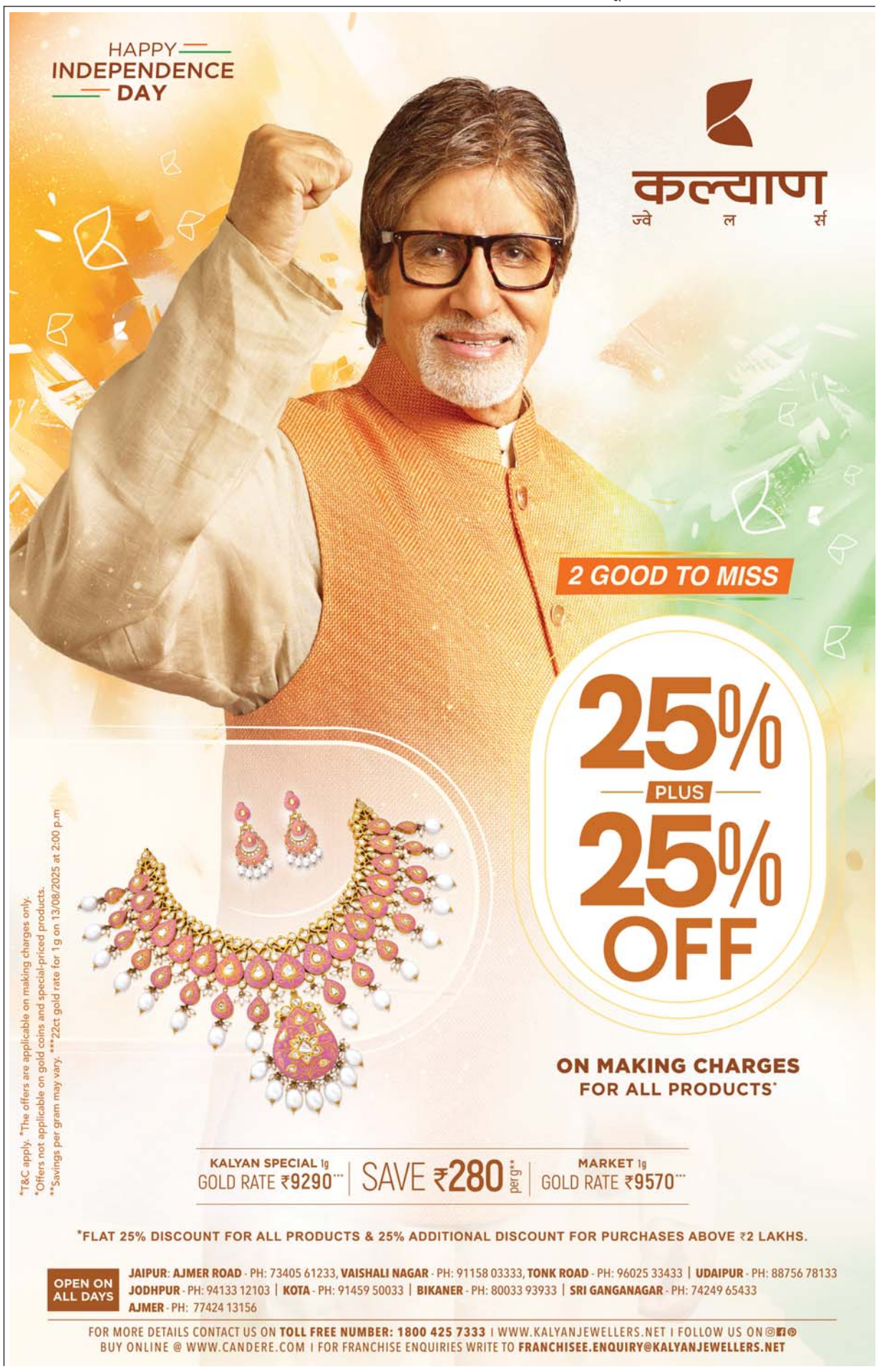

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908